मंगलवार
09 जनवरी 2024

पृष्ठ 4

ज्यादा गाजर खाने के नुकसान भी हैं

पृष्ठ 5

रीगल ब्लू प्रिंटेड साड़ी में बेहद खूबसूरत लगीं अभिनेत्री काव्या थापर

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 324
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

लगन और योग्यता एक साथ मिलें तो निश्चय ही एक अद्वितीय रचना का जन्म होता है।
– मुक्ता

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

- राजाजी टाइगर रिर्जव चीला रेंज हादसा -

हादसे से खुली पार्क प्रशासन व दुर्घटनाग्रस्त वाहन कम्पनी की कलई

हमारे संवाददाता

देहरादून। ऋषिकेश चीला रेंज में बीती शाम हुए हादसें में पार्क प्रशासन व संबन्धित वाहन कम्पनी की लापरवाही की बात सामने आ रही है। वाहन में क्षमता से अधिक लोग बैठे थे जबकि ट्रायल में आये वाहन का टायर फटना समबन्धित वाहन कम्पनी की लापरवाही ही दर्शाता है। हादसें में चार वन अधिकारियों की जान चली गयी है साथ ही पांच घायल व एक महिला वन्य जीव प्रतिपालक लापता है।

सोमवार शाम करीब पांच बजे ऋषिकेश से 15 किलोमीटर आगे चीला जल विद्युत गृह के समीप हुए इस हादसे ने नियमों के पालन में लापरवाही की पोल खोलकर रख दी है। हैरानी की बात यह है कि बैंगलूर की जिस कम्पनी (प्रवेग डायनामिक्स) से यह एसयूवी वाहन पार्क प्रशासन द्वारा खरीदा गया है। उस कम्पनी की वेबसाइड में इसे साफ तौर पर सिक्स सीटर वाहन बताया गया है। जिसमें चार सीटे आगे है जबकि दो जांच का विषय है। हादसे में यह बात भी सामने आयी है कि दुर्घटनाग्रस्त हुए इस वाहन का अभी परिवहन विभाग में पंजीकरण भी नहीं हुआ है।

सिक्स सीटर वाहन में आखिर कैसे सवार थे दस लोग ?

पीछे कैप्टन सीट है। लेकिन इस हादसे के समय वाहन में दस लोग सवार थे। जो नियमो की लापरवाही दर्शाने के लिए काफी है। दूसरी बड़ी बात यह है कि कम्पनी की ओर से पार्क प्रशासन को भेजे गये इस एसयूवी वाहन का टायर सिर्फ ट्रायल के दौरान ही कैसे फटा? यह

हालांकि अब इस मामले में वन मंत्री सुबोध उनियाल ने घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिये है। वन मंत्री का कहना है कि जो वाहन दुर्घटना ग्रस्त हुआ है उसका पहले भी ट्रायल हो चुका था बावजूद इसके दुर्घटना कैसे हुई इसकी विशेष जांच ◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

दून में क्लोरीन गैस के रिसाव से हड़कंप, चलाया रेस्क्यू अभियान

हमारे संवाददाता

देहरादून। प्रेम नगर क्षेत्रांर्तगत झाझरा स्थित एक प्लाट में रखे गैस सिलेडंरों मं क्लोरीन गैस रिसाव से हड़कंप मच गया। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू अभियान चलाया और स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया। मामले में पुलिस अब जांच में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार आज तड़के सुबह लगभग 3 बजे थाना प्रेम नगर पुलिस को सूचना मिली कि झांझरा क्षेत्र स्थित एक प्लॉट में रखें गैस सिलेंडरों से क्लोरीन गैस का रिसाव हो रहा है। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना प्रेमनगर से पुलिस बल तथा पुलिस स्टेशन देहरादून से फायर कर्मियों की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची तथा घटना के संबंध में एसडीआरएफ तथा एनडीआरएफ की टीमो को सूचित करते हुए मौके पर बुलाया गया।

घटना की सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून अजय सिंह द्वारा स्वयं मौके पर पहुंचते हुए रेस्क्यू कार्यो का जायजा लिया गया तथा उपस्थित अधिकारियों का आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। रेस्क्यू टीमों द्वारा मौके पर राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ करते हुए आस-पास के क्षेत्र में स्थित घरों से लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। मौके से गैस सिलैंडरों को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। उक्त खाली प्लॉट में गैस सिलेंडरो को किन कारणों से रखा गया था, इस संबंध में विस्तृत जांच की जा रही है।

महिला कारोबारी ने की अपने 4 साल के बेटे की हत्या

बेंगलुरु। बेंगलुरु की 39 वर्षीय कारोबारी महिला और एआई स्टार्टअप की सीईओ सूचना सेठ को अपने 4 साल के बेटे की कत्ल के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उन्होंने गोवा के कैंडोलिम स्थित सर्विस अपार्टमेंट में अपने

बेटे की हत्या की और फिर उसके शव को बैग में भरकर कार में रखा और वहां से कर्नाटक भाग रही थीं। सेठ ने सोमवार सुबह इस अपार्टमेंट से चेकआउट किया था, जिसके बाद अपार्टमेंट की सफाई के दौरान हाउसकीपिंग स्टाफ को वहां खून धब्बा मिला और उसने तुरंत ही गोवा पुलिस को इसकी जानकारी दी। हालांकि तब तक वह कर्नाटक पहुंच चुकी थी, ऐसे में गोवा पुलिस ने कर्नाटक पुलिस को अलर्ट किया, जिसके बाद उसे चित्रदुर्ग जिले के ऐमंगला पुलिस स्टेशन ने हिरासत में ले लिया। सूचना सेठ ने वर्ष 2010 में शादी की और 2019 में इस बच्चे का जन्म हुआ था। हालांकि आगे चलकर पति-पत्नी के रिश्तों में खटास आ गई और वर्ष 2020 में दोनों का तलाक हो गया था। कोर्ट ने उनके पति को हर रविवार अपने बच्चे से मिलने की इजाजत दी थी। पुलिस की पूछताछ में सूचना ने बताया कि उसे डर था कि अगर उसका पति इसी तरह बेटे से मिलता रहा तो वह उसके करीब हो जाएगा ◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

मालदीव में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को पद से हटाने की उठी मांग

माले। मालदीव में राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया है। संसद में विपक्षी दलों के नेता अली अजीम ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को पद से हटाने की मांग उठाई है। विपक्ष का आरोप है कि राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत के साथ विवाद के दौरान देश का सम्मान नहीं बचाया और न ही संकट का कुशलतापूर्वक समाधान किया। कुछ दिनों पहले मालदीव की एक मंत्री मरियम शिउना ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थीं। इसके बाद भारत ने नाराजगी जताई और सख्त कदम उठाए। मालदीव सरकार ने हालांकि मंत्री को निलंबित कर दिया, लेकिन विपक्ष को यह काफी नहीं लगा।

अली अजीम ने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति ने पूरी घटनाक्रम को संभालने में ढिलाई और कमजोरी दिखाई, जिससे भारत के साथ रिश्ते खराब हुए हैं। अली अजीम ने संसद में ऐलान किया है कि विपक्षी दल अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने देश के अन्य सांसदों से राष्ट्रपति के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया। अगर अविश्वास प्रस्ताव सफल होता है तो मालदीव में सियासी सत्ता परिवर्तन की संभावना है। इस राजनीतिक तूफान का मालदीव की अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ सकता है। गौरतलब है कि मालदीव का पर्यटन उद्योग काफी हद तक भारतीय पर्यटकों पर निर्भर है। विवाद के बाद कई भारतीयों ने सोशल मीडिया पर मालदीव का बहिष्कार का आह्वान किया है, जिससे पर्यटन क्षेत्र पर दबाव बढ़ सकता है। अभी तय नहीं है कि अविश्वास प्रस्ताव लाने की विपक्ष की कोशिशें सफल होंगी या नहीं। फिलहाल, मालदीव की राजनीति में अनिश्चितता का माहौल है। यह देखना दिलचस्प होगा कि राष्ट्रपति सोलिह इस संकट का समाधान कैसे करते हैं और भारत के साथ रिश्तों को सुधारने के लिए क्या कदम उठाते हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

सत्यमेव जयते

जब भी देश की किसी अदालत से ऐसा फैसला आता है जैसा कल बिलकिस बानो केस में आया है तब एक सवाल मन में जरूर आता है कि अगर देश में न्यायपालिका इतनी सशक्त न होती तो इस देश के लोकतंत्र और मानवाधिकारों की क्या स्थिति होती? गुजरात के 2002 के दंगों की एक पीड़िता जिनके परिजनों के सामने सामूहिक दुष्कर्म किया गया और हत्याएं की गई 20 साल तक उसने आरोपियों के खिलाफ कानूनी लड़ाई कैसे लड़ी होगी और कैसे वह इस लड़ाई को जीत पाई होगी ऐसी स्थिति में जब आरोपियों को सत्ता का संरक्षण प्राप्त हो इसे समझ पाना आसान नहीं है इस पीड़िता और उसके परिवार ने क्या-क्या नहीं झेला होगा? इसे वह बिलकिस बानो और उसका परिवार ही जान सकता है। न्यायालय से सजा दिलाने के प्रयास में सफलता के बाद उसने सोचा भी नहीं होगा कि उसकी जंग अभी खत्म नहीं हुई है। जिन 11 आरोपियों को अदालत ने अपने सामने वाले दरवाजे से आजीवन कारावास की सजा सुनाई है वह पिछले दरवाजे से जेल से बाहर आ जाएंगे। 15 अगस्त 2022 को जब यह आरोपी जेल से रिहा हुए और उनका विजय तिलक किया गया तब बिलकिस बानो पर क्या गुजरी होगी? गुजरात सरकार ने उनकी सजा माफी का जो फैसला किया था वह कितना उचित था? अब इसका सच सभी के सामने आ गया है। बीते कल देश की सर्वोच्च अदालत ने जिस तरह गुजरात सरकार के फैसले को गलत बताते हुए रद्द करने और उसे दुष्कर्म के दोषियों को सरेंडर करने के निर्देश दिए गए हैं वह न्यायपालिका की मजबूती का ही प्रतीक नहीं है न्याय के प्रति आम लोगों का विश्वास जगाने वाला भी है। इन सभी दोषियों का अब फिर से जेल जाना तय हो चुका है। बात अगर पीड़िता बिलकिस बानो की की जाए तो उसका कहना है कि सालों बाद उसके चेहरे पर हंसी लौटकर आई है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपने इस फैसले में गुजरात सरकार और न्यायपालिका के बारे में जो टिप्पणी की गई है वह सब कुछ समझाने और कहने में सक्षम है। अदालत ने माना है कि जिस राज्य सरकार के न्यायालय द्वारा किसी आरोपी को सजा सुनाई जाती है उस राज्य की सरकार को दोषी की सजा माफ करने का अधिकार होता है। गुजरात सरकार को इन दोषियों की सजा माफ करने का कोई अधिकार था ही नहीं। अपनी रिहाई के लिए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाने वाले आरोपी राधेश्याम शाह की गुजरात सरकार से मिली भगत थी जिसने 3 मई 2022 के आदेश का लाभ उठाते हुए सरकार से अपील की और सरकार ने रिहाई के आदेश दे दिए सरकार के इस आदेश को सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने इसे अदालत से धोखाधड़ी करार दिया है। अदालत की यह टिप्पणी कि कानून के शासन का मतलब केवल कुछ भाग्यशाली लोगों की सुरक्षा करना ही नहीं है। कहा जाता है कानून की व्यवस्था सिर्फ कमजोर लोगों पर लागू होती है अदालत के इस फैसले ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि कानून सबके लिए समान है। चाहे वह राजा हो या रंक अमीर हो या गरीब अथवा किसी भी जाति और धर्म तथा संप्रदाय से क्यों न हो। निश्चित ही यह फैसला सत्ताधारियों के उसे वर्चस्व को भी चुनौती देने वाला है जो सत्ता मिलने पर यह समझ बैठते हैं कि कानून तो उनकी जेब में पड़ा है। गुजरात सरकार ही नहीं सभी राज्यों की सरकारों के लिए यह फैसला एक नजीर है और इससे सबक लेने की जरूरत है। कानून और संविधान से ऊपर कोई नहीं हो सकता और अगर इस तरह की चेष्टा की जाएगी तो वह देश के लोकतंत्र पर बड़ा कुठाराघात होगा। न्याय की हत्या के इस तरह के प्रयास कदाचित भी नहीं होने चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने इस फैसले की रोशनी में भाजपा पर बड़ा हमला बोला है उनका कहना है की बेटी बचाओ का नारा देने वाले अब दोषी बचाव वाले हो गए हैं। खैर यह सब राजनीतिक बयान बाजी ही सही लेकिन निश्चित तौर पर यह सुप्रीम कोर्ट का फैसला गुजरात की भाजपा सरकार के लिए एक बड़ा झटका जरूर है। इस फैसले से यह साफ हो गया है कि सत्ता में बैठे लोग न्यायपालिका को भी प्रभावित करने से बाज नहीं आते हैं। आपने अदालतों में सत्यमेव जयते लिखा जरूर देखा होगा। देश में भले ही न्याय मिलने में लोगों को देर कितनी भी ज्यादा लगे लेकिन न्याय मिलते जरूर है यह सत्यमेव जयते है जो न्याय की आत्मा है।

18 देवदार के स्पिलर चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर में रखे 18 देवदार के स्पिलर चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहिया कालसी निवासी शांति प्रसाद उर्फ बबलू ने कालसी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके घर में देवदार के स्पिलर रखे हुए थे। चोरों ने उसके घर से 18 देवदार के स्पिलर चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मकान का ताला तोडकर लाखों के जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोडकर वहां से लाखों के जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मालवीय नगर निवासी अमन थापा ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई अपने परिवार के साथ बाहर गया हुआ है। आज उसने देखा कि उसके भाई के घर का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर वहां से लाखों रूपये के जेवरात व नगदी चोरी करके ले गये हैं।

हम सोचते हैं पहाड़ लाटे हैं! लेकिन वे सब जानते हैं!

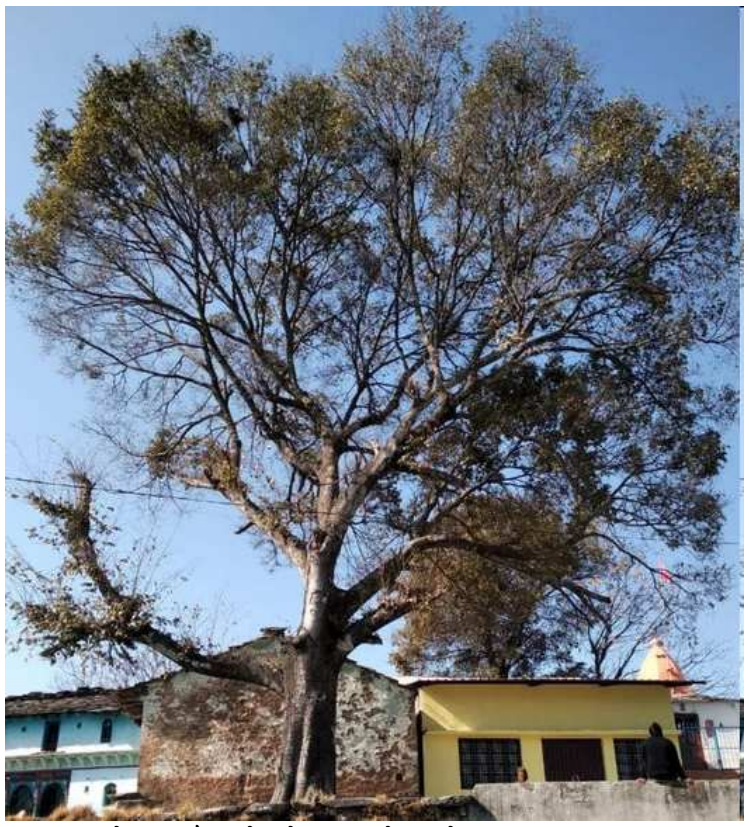

साभार: नरेन्द्र कठैत के फेसबुक पोस्ट से।

पहाड़ एक हैं! हम भी एक हैं! पेड़ भी एक हैं। किन्तु हकीकत यह भी है कि पहाड़ के अधिकांश खेत बंजर हैं। कहीं कहीं अगर चार आवास का भवन है तो तीन आबाद हैं और एक खण्डहर है। फिर भी जो हैं वे अपने वजूद के साथ खड़े हैं। जितना संघर्ष कर सकते हैं कर रहे हैं। लेकिन पहाड़ के इस पेड़ ने मेरे आगे कुछ सवाल खड़े कर दिए हैं। पेड़ आप भी देख रहे हैं! ऐसा भी नहीं कि यही एक पेड़ है। ऐसे ही अनेक और भी हो सकते हैं।

पेड़ घना है। हरा भरा है। मजबूत इरादों के साथ खड़ा है। शाखा प्रशाखाओं के बल पर दूर दूर तक पसरा है। देखने से ही लगता है कि इसका इतिहास नया नहीं बहुत पुराना है। इसके चारों ओर रोशनी और शुद्ध हवा है। तो फिर इस पेड़ को दिक्कत क्या है? ऐसा हर कोई सोच सकता है। लेकिन असल में इसके तने और इसके मूल में घमासान मचा है। और सबसे पहले इसके मूल ने ही सवाल उठाया है।

सवाल क्या है, कह सकते हैं मूल का दुखड़ा है। उसने मुझे पुकारा 'ओ! मुसाफिरे!'

पास आकर जवाब दिया 'हाय! कहो क्या हाल हैं?'

उसने जोड़ा 'देख रहे हो मेरे सर पर क्या है?'

'तना है!'

उसने तपाक पूछा 'यही तो मुझे कहना है कि यह मेरे सर पर यूं क्यों तना है?'

'क्योंकि यह आपका सगा है इसलिए आपसे जुड़ा है।'

उसका कहा साफ सुना मानता हूँ मेरा सगा है। लेकिन आज यही मेरी उन्नति की सबसे बड़ी बाधा है। ये अपने ही बनाए मापदंडों से मुझे नाप रहा है। जब भी मैं हक की बात की बात करता हूँ ये मुझे और नीचे धकेल देता है। और दुनिया में प्रचारित करता है कि कष्ट मैं नहीं अपितु ये झेल रहा है। देखो! आज भी मेरे चारों ओर क्या है दूर दूर तक घुप्प अंधेरा है।'

मैंने कहा 'मूल भाई ! मेरे लिए क्या सेवा है कहिए? '

मूल के याचना भरे शब्द थे 'मुसाफिरे! अगर थोड़ा भी दया भाव है तो एक कष्ट कीजिए!'

'स्वागत है कहिए!'

'इस तने से कहिए! मेरे सर पर न बैठे। इसे बैठना ही है तो ये कहीं और जाकर बैठे। हो हल्ला, सरसराहटघ कहीं और करे!'

'अरे भाई! ये उसका अधिकार है वो जहाँ भी रहे! रुके! उठे बैठे! अपनी भावनाएं व्यक्त करे!'

'यही तो सवाल है कि इसके अधिकार हैं और मेरे? आप ही बताइए, मेरे सर पर यूं बैठने का अधिकार किसने दिया इसे? देख मुसाफिरे! इसी मूल से निकली ये शाखाएं, ये फूल, ये पत्ते कहाँ कहाँ तक पहुँच गए हैं। लेकिन क्या मिला मुझे? जरा पूछो इसे!'

पेड़ घना है। हरा-भरा है। मजबूत इरादों के साथ खड़ा है। शाखा- प्रशाखाओं के बल पर दूर-दूर तक पसरा है। देखने से ही लगता है कि इसका इतिहास नया नहीं बहुत पुराना है। इसके चारों ओर रोशनी और शुद्ध हवा है। तो फिर इस पेड़ को दिक्कत क्या है.ऐसा हर कोई सोच सकता है। लेकिन असल में इसके तने और इसके मूल में घमासान मचा है। और सबसे पहले इसके मूल ने ही सवाल उठाया है।

मूल की व्यथा सुनकर हम थोड़ा चकित हुए। सोचा बात एकदम दुरुस्त है। वास्तव में हम भी कभी इतनी गहराई में नहीं उतरे। दूसरा यह भी हग्रिज सही नहीं है कि कोई किसी के सर पर यूं बैठे। सोचा क्या यह तना वास्तव में इतनी मोटी बुद्धि का हैं? मूल के साथ ये सरासर अन्याय है।

मैने तने के पास जाकर कहा 'क्यों रे तने! मूल ने क्या कहा? कुछ सुना है तुमने? अरे भाई! तू तना है जहाँ मर्जी अपनी कमर झुका सकता है। हवा के साथ बातें कर सकता है। लेकिन क्या तू इस मूल से जुदा है? जरा ये बता तू किस पर टिका है?'

'बंधु यहां तो हर कोई मूल से जुड़ा हुआ है पहाड़ पर टिका है। अत: पहाड़ जैसे इन सबका वैसे ही वह मेरा भी पिता है। कृपा कर आप बताएं कि आपसे ये किसने कहा कि मूल को मैंने अपना नहीं समझा है? अगर मैं यह कहूं कि मैं मूल को जितना ऊपर उठाने की कोशिस करता हूं वह और गहरे धंस जाता है तब क्या आप मेरे मूल का गला घोटेंगे?

तने भाई! हमें इतना भी बेवकूफ न समझें! हम सब जानते हैं! आप मूल को उठा रहे हैं या उसे नीचे धकेल रहे हैं? क्या यह सत्य नहीं है कि आप चाहते हैं कि मूल जहाँ है वह वहीं रहे? और मूल के साथ आपका भी वजूद बना रहे।

भाई मूल के साथ हमारा रस रक्त का संबन्ध है। आप हमें ज्यादा उपदेश मत दें!

'ठीक है! अगर मूल के साथ आपका रस रक्त का संबन्ध है तो उसकी व्यथा सुनें!'

एक अर्थ पूर्ण कटाक्ष के साथ तने ने जवाब दिया 'मान्यवर! आपका मूल भी तो आपका खून है! आप अपने मूल से कितने जुड़े हुए हैं? पुश्तेनी खेत आपने बेच दिए हैं या वे बंजर हैं। बंजर खेतों में काला बाँस और लैंटाना ने पैर पसार दिए हैं। वहाँ बाघ, भालू, बन्दर सूअरों के अड्डे हैं। आपके हिस्से का पैतृक आवास भी खंडहर है। मूल चाहता है आप बंजर खेतों को आबाद करें। आप अपने पैतृक आवास की मरम्मत करें। लेकिन आप हैं कि पहाड़ चढना ही नहीं चाहते हैं। फिर भी आप कहते हैं कि आप मूल से जुड़े हुए हैं। बताएं कैसे?

पहाड़ से हमारा कितना स्नेह है आप क्या जाने?

अगर ऐसा है तो आप मेरी प्रकृति के बारे में कितना जानते हैं? दूसरा यह कि मेरे मूल के साथ मेरे स्नेह को आप कम कैसे आंक रहे हैं? मान्यवर! हम चाहे जैसे भी हैं एक हैं। और पहाड़ पर ही टिके हुए हैं। लेकिन आप गए हैं तो फिर लौटे ही नहीं हैं। पहाड़ पर पलायन और रिवर्स पलायन आपके ही झूले हैं। यदि सत्य कहें तो आप भ्रम में हैं! क्योंकि जो सवाल आपके मूल के हैं वे आप मुझपर थोप रहे हैं। मंथन करना ही है तो आप अपने मूल के समीप जाकर करें? आप अपने मूल के लिए लड़ रहे हैं या अपना वजूद ढूंढ़ रहे हैं।

ये शब्द एक तने के हैं। ऐसे ही पहाड़ में न जाने कितने हैं। इनकी अपनी कथा, पटकथा है। ये जो कुछ कहते हैं खुले मन से कहते हैं। ये अभिनय करना नहीं जानते हैं। और हम सोचते हैं पहाड़ लाटे हैं! लेकिन वे सब जानते हैं।

किस्सा किस्म-किस्म के समर्थन का

कुमार विनोद

बड़ी अजीब शै है ये समर्थन भी जनाब! कहीं-कहीं तो मांगने पर भी नसीब नहीं होता और कभी-कभी खुद-ब-खुद ही सिर पर पांव रखकर दौड़ा चला आता है। गैरों के समर्थन की क्या कहें, कभी-कभी तो खुद के लिए खुद का ही समर्थन जुटाना भारी पड़ जाता है। कहीं दिल का समर्थन जुबां नहीं करती और कभी जुबां तक आई बात की गवाही देने से अपना ही दिल इनकार कर देता है। दिल और दिमाग का भी कुछ-कुछ ऐसा ही समझिए। इनमें कभी जय-वीरू वाली यारी है तो कभी-कभार छत्तीस का आंकड़ा भी। कभी दिल की बातों को दिमाग सिरे से नकार देता है तो कहीं दिमागी सिग्नल को 'दिल है कि मानता ही नहीं'। मन और शरीर के बीच की रस्साकशी भी सनातन काल से चली आ रही है। किसी-किसी मुद्दे पर मन शरीर को अपनी गिरफ्त में ले लेता है तो वहीं दूसरी ओर मौका देखकर यदा-कदा शरीर भी मन के विरोध में तम्बू तान देता है।

राजनीति की दुनिया में समर्थन की कहानी तो और भी विकट है जी! विकट भी क्या, महाविकट समझिए। यहां समर्थन की इक्का-दुक्का वैरायटी हो तो बात समझ भी आए। कहीं समर्थन बाहरी है, तो कहीं अंदरूनी। कहीं समर्थन खूब चिल्ल-पों करता है तो कहीं यह मूक होकर भी चर्चा के केंद्र में बना रहता है। 'सशर्त समर्थन' का बड़ा भाई 'बिना-शर्त समर्थन' भी राजनीति के मैदान में धमाल-चौकड़ी करता रहता है। 'बिना शर्त समर्थन' को 'सशर्त समर्थन' का बड़ा भाई इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसके साथ एक छोटा-सा मिस्टर इंडिया टाइप यानी अदृश्य स्टार लगा होता है, जिसका एक और सिर्फ एक ही अर्थ होता है-शर्तें लागू। अब तो आप भी इसे 'सशर्त समर्थन का बड़ा भाई' कहे जाने का बिना शर्त समर्थन करेंगे न!

खैर! जिस तरह मुहब्बत की दुनिया में दिलों का लेन-देन सदियों से चलता आया है, ठीक वैसे ही राजनीति की मंडी में किस्म-किस्म के समर्थन का लेन-देन हमारे लोकतंत्र को गजब की मजबूती प्रदान करता आया है। राजनीति के धुरंधर खिलाड़ियों द्वारा 'मूल्य आधारित राजनीति' की तर्ज़ पर 'मूल्य आधारित समर्थन' का जुमला भी समय-समय पर हवा में उछाल लिया जाता है। राजनीतिक दलों के लिए नाना प्रकार के समर्थन की समुचित समयबद्ध जुगाड़ करने में दक्ष नेता जी से 'समर्थन मूल्य' के बारे में यह पूछे जाने पर उनका नपा-तुला जवाब था कि 'समर्थन का मूल्य' तो काल और परिस्थिति पर निर्भर करता है जी। यह स्पष्ट किए जाने पर कि बात किसानों के किए 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' के बारे में की जा रही है तो उनके दिमाग ने उनकी गज़ भर लंबी जुबां को एक इंच तक चलने देने में भी समर्थन देने में हामी नहीं भरी।

चेहरे को खूबसूरत और ग्लोइंग बनाने में फेश वॉश या क्लींजर किसका करें इस्तेमाल?

स्किन को खूबसूरत और हेल्दी रखने के लिए नियमित तौर पर उसकी देखभाल करनी पड़ती है। त्वचा को साफ करने लोग फेश वॉश और क्लींजर का इस्तेमाल करते हैं। इन प्रोडक्ट्स से रोम छिद्रों से गंदगी साफ होती है और त्वचा हेल्दी बनती है। हालांकि, कुछ लोग फेश वॉश और कुछ लोग क्लींजर का यूज करते हैं। क्या आप दोनों के बीच का अंतर जानते हैं। अगर नहीं तो चलिए जानते हैं।।।

फेसवॉश और क्लींजर में अंतर

फेसवॉश और क्लींजर दोनों का काम स्किन साफ करना है। फेसवॉश एक फोमिंग क्लींजर होता है, जबकि क्लिनिंग लोशन या क्लींजर नॉन-फोमिंग होता है। क्लींजर का इस्तेमाल करने के बाद चेहरा धोया नहीं बल्कि पोछा जाता है।

फेश वॉश और क्लींजर किस तरह काम करते हैं

फेसवॉश में झाग होता है, जो रोमछिद्रों में जमा गंदगी को गहराई तक साफ करता है। अगर चेहरे पर हैवी मेकअप है और ज्यादा गंदगी-धूल से संपर्क हो रहा है तो फेश वॉश का इस्तेमाल करने से पहले क्लींजर लगाने से चेहरे की गंदगी दूर हो सकती है। वहीं, अगर क्लींजर की बात करें तो ये चेहरे से एक्स्ट्रा ऑयल, मेकअप और गंदगी दूर करता है। फेसवॉश की तुलना में ये सौ फीसदी ज्यादा इफेक्टिव होता है।धूल और गंदगी को दूर कर स्किन को हेल्दी बनाए रखता है।

फेसवॉश और क्लींजर का इस्तेमाल कब करें

1 फेश वॉश और क्लींजर का इस्तेमाल डेली रुटीन पर डिपेंड करता है।

2 सुबह फोमिंग फेसवॉश यूज करते हैं और घर लौटते समय हैवी ट्रैफिक और पॉल्युशन से चेहरे पर गंदगी जम गई है तो क्लींजर करके फेसवॉश का इस्तेमाल करें।

3 रात में सोने से पहले चेहरे से गंदगी हटाने क्लींजर का इस्तेमाल करना बेहतर होता है।

4 मेकअप रिमूव करने के लिए भी पहले क्लींजर का इस्तेमाल करना चाहिए। इससे त्वचा को मॉश्चराइज होता है और अंदर तक उसकी साफ-सफाई होती है।

5 सेंसिटिव त्वचा के लिए फेशवॉश और क्लींजर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

6 सुबह या शाम सिर्फ एक बार फेसवॉश का इस्तेमाल करना चाहिए।दिन में दो बार क्लींजर से स्किन साफ कर सकते हैं।

7 ज्यादा मात्रा में फेसवॉश या क्लींजर का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने की जिला अध्यक्षों के साथ जूम बैठक

हमारे संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से आज प्रदेश अध्यक्ष करन महारा द्वारा सभी जिला एवं महानगर अध्यक्षों के साथ जूम बैठक की गयी।

बैठक में मुख्य रूप से सभी जिला एवं महानगर अध्यक्षों को राहुल गांधी की मणिपुर, इंफाल से शुरू होने वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समकक्ष उत्तराखंड में 14 से 16 जनवरी 2024 को तीन दिवसीय अंकिता भंडारी न्याय यात्रा आयोजित करने के दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में जिला/महानगर अध्यक्षों से जगह-जगह पर स्क्रीन लगाकर अंकिता भंडारी की मां का मार्मिक वीडियो जनता को दिखाने और सुनाने के सुझाव भी आए। महारा ने सभी जिला एवं महानगर अध्यक्षों से अपेक्षा करी है कि वह कल यानी 9 जनवरी 2024 को जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंप कर अंकिता भंडारी के पिता द्वारा लिखी गई चिट्ठी और उसमें लगे हुए गंभीर आरोपों और आर एस एस के वरिष्ठ पदाधिकारी पर वी आई पी होने की आशंका जताई गई है उसकी उच्च स्तरीय न्यायिक जांच सिटिंग हाई कोर्ट के जज की निगरानी में कराए जाने की मांग को लेकर सौंपने का कार्य

करेंगे। इसके अलावा प्रदेश अध्यक्ष करन महारा ने जिला एवं महानगर अध्यक्षों को मुख्यालय की तर्ज पर जिला एवं ब्लॉक स्तर पर भी वार रूम स्थापित करने के निर्देश दिए, जिससे कि केंद्रीय नेतृत्व के दिशा निर्देश केवल प्रदेश मुख्यालय तक सीमित न होकर जिला, ब्लॉक मुख्यालय एवं मंडलम तक भी पहुंचाया जा सके। ब्लॉक मुख्यालय से यह भी अपेक्षा की गई है कि वह मंडलम में दिशा निर्देशों को पहुंचाएं और पांच सक्रिय कार्यकर्ता सीधे प्रदेश मुख्यालय के वार रूम से जुड़ेंगे।

जूम बैठक के दौरान महारा ने महेंद्र नेगी गुरुजी का परिचय भी सभी जिला एवं महानगर अध्यक्षों से करवाते हुए उन्हें अवगत करवाया कि संगठन ने महेंद्र नेगी को महामंत्री संगठन (ढांचा सुधार एवं प्रशिक्षण) की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है जिसमें नेगी से अपेक्षा की जाती है कि वह संपूर्ण निष्ठा एवं समर्पण भाव से पार्टी के लिए समर्पित रहेंगे।

जम बैठक के दौरान उपाध्यक्ष संगठन मथुरादत्त जोशी, महामंत्री प्रशिक्षण महेंद्र नेगी गुरुजी, मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी एवं जिला/महानगर अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज, मनीष राणा, विनोद नेगी ,प्रवीन रावत, पूरन सिंह कठैत ,मुशर्रफ हुसैन ,उत्तम सिंह असवाल, मुकेश नेगी ,वीरेंद्र जाती, अंजू लूंठी, सी पी शर्मा, दिनेश चौहान, राहुल छीमवाल, दीपक किरोला, भगत सिंह डसीला, अमन गर्ग गोविंद सिंह बिष्ट, कुंवर सजवान, जसविंदर गोगी, राकेश राणा ,राकेश मियां,विनोद डबराल जुड़े।

मिसेज इंडिया सौन्दर्य प्रतियोगिता में विजेताओं को किया सम्मानित

संवाददाता

देहरादून। एंबेलिशमेंट टैलेंट मैनेजमेंट द्वारा आयोजित मिसेज इंडिया सौन्दर्य प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

आज यहां वार्ड 34 गोविंद गढ़ में पूर्व पार्षद चरनजीत कौशल के निवास स्थान पर एंबेलिशमेंट टैलेंट मैनेजमेंट (ख्याति शर्मा) द्वारा आयोजित मिसेज इंडिया सौन्दर्य प्रतियोगिता में प्रतिभागी के रूप में हिस्सा लिया गया था। जिसमे की सिल्वर में अर्चना पॉल अरोड़ा को सेकंड रनरअप, और गोल्ड में सोनिया कश्यप और प्लेटिनम में लक्ष्मी उनियाल को सेकंड रनरअप घोषित किया गया

था। नारी शक्ति ने हमारे वार्ड का नाम रोशन किया। आज हमारे पूर्व महानगर अध्यक्ष लाल चंद शर्मा द्वारा विजताओ को सम्मानित किया गया जिसमे की नन्ही तन्वी ने अपने नृत्य से सबका मन मोह लिया।

कार्यक्रम का संचालन अमृता कौशल व सारिका सिंह (कोडिनेटर एंबेलिश टैलेंट मैनेजमेंट) ने किया, विशेष अतिथि चरनजीत कौशल ने कहा कि ख्याति शर्मा ने महिलाओं को एक बेहतरीन प्लेटफार्म दिया है। कार्यक्रम में पवन चौहान त्रिलोचन जस्सल, रूबी जस्सल, फरजाना, श्रुति कौशल, अशोक प्रजापति मौजूद रहे।

10वीं मां धारी देवी एवं भगवान नागराजा देव डोली की शोभायात्रा 12 को

संवाददाता

देहरादून। आचार्य श्रित सुरेन्द्रप्रसाद सुन्दरियाल ने बताया कि 10वीं मां धारी देवी एवं भगवान श्री नागराजा देव डोली शोभायात्रा का श्री गणेश 12 जनवरी से किया जायेगा।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए आचार्य सुरेन्द्र सुन्दरियाल ने बताया कि प्रति वर्ष होने वाली 10वीं मां धारी देवी एवं भगवान श्री नागराजा देव डोली शोभायात्रा का श्री गणेश 12 जनवरी से किया जायेगा। उन्होंने बताया कि नेहरू कालोनी स्थित स्थान पर मां भगवती का अभिषेक पूजन पश्चात उत्तराखण्ड के पारंपरिक वाद्य यंत्रों के मंडाण जागरों के साथ देव डोली को रवाना किया जायेगा। देव डोली शोभायात्रा की रवानगी हरी झंडी दिखाने एवं मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को निवेदन

किया गया है। उन्होंने बताया कि देव डोली शोभायात्रा का प्रथम पडाव हर्रावाला शिव मंदिर में होगा तत्पश्चात दोपहर दो बजे देव डोली शोभायात्रा डोईवाला शक्ति भवन मंदिर पर पहुंचेगी जहां पर क्षेत्रीय विधायक बृजभूषण गैरोला की उपस्थिति में व हिन्दू परिषद धर्म प्रसार के कार्यकर्ताओं एवं मन्दिर समिति के द्वारा देव डोली का स्वागत किया जाएगा तत्पश्चात देव डोली रात्रि ग्राम कालूवाला में संध्या आरती एवं रात्रि वि राम करेगी 13 जनवरी शनिवार को प्रात: 11 बजे ऋषिकेश पहुंचेगी आईडीपीएल में भी देव डोली का स्वागत गढवाल सभा ऋषिकेश के द्वारा किया जायेगा शाम को दोपहर को देव डोली शोभायात्रा बसंती माता मन्दिर प्रतीत नगर रायवाला में पहुंचेगी जहां महंत गिरी परिवार द्वारा स्वागत पूजा कार्यक्रम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 14 जनवरी प्रात: नौ बजे देव डोली का पूजन कार्यक्रम सिद्धपीठ कालू सिद्ध मंदिर हरिपुर कला में मंदिर समिति की ओर से किया जाएगा। इसी प्रकार देव डोली शोभायात्रा उत्तराखण्ड, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश राज्यों में भ्रमण कर अपनी उत्तराखण्ड की देव संस्कृति का प्रचार प्रसार एवं सनातन धर्म का जन जागरण का कार्य कर 17 फरवरी को दून पहुंचकर देव डोली को विराम दिया जायेगा। प्रेसवार्ता में आचार्य मधुसूदन जुयाल, पण्डित मनोज धस्माना, सीताम्बर सिंह पंवार भी मौजूद थे।

इजराइल ने अरौरी को मार बदला लिया ?

श्रुति व्यास,

इजराइल ने अपना पहला बड़ा इंतक़ाम ले लिया है। एक भयावह और विनाशकारी युद्ध - जिसमें मरने वालों में से ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं - शुरू करने के तीन महीने बाद इजराइल को अपने एक बड़े शिकार का पता मिला और कहते है एक हवाई सर्जिकल स्ट्राइक में उसे खत्म कर दिया गया। सालेह अल-अरौरी, जो हमास का दूसरे नंबर का सबसे बड़ा नेता था, बेरूत में एक ड्रोन हमले में मारा गया है। यदि इजरायली अधिकारियों के दावों पर भरोसा किया जाए तो अरौरी ही इजराइल पर 7 अक्टूबर को हुए हमले का मास्टरमाईंड था। उसका इजराइल के कब्ज़े वाले पश्चिमी किनारे में भी काफी दबदबा था, जहाँ हाल के महीनों में हिंसा में बढ़ोत्तरी हुई है। वह उसी इलाके में जन्मा था।

पिछले कुछ सालों से अरौरी ज्यादातर समय बेरूत में ही रहता था। वहां वह एक तरह से हिज़्बुल्लाह के लिए हमास के दूत की भूमिका में था। स्थानीय सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार वह हमास और हिज़्बुल्लाह के बीच नजदीकी रिश्ते कायम करने का काम करता था। उसे गाजा में हमास के नेता याहया सिनवर का काफी नजदीकी माना जाता था।

पहले इंतिफादा के बाद हमास की स्थापना के कुछ ही समय बाद अरौरी उसमें शामिल हुआ था। उसने हमास की सैन्य शाखा इज़्ज़ेदीन अल-क़सम ब्रिगेड के गठन में सहायता की थी। पहले सीरिया, उसके बाद कतर और अब लेबनान में रह रहे अरौरी की छवि पूरे मध्यपूर्व और विशेषकर ईरान में ढेर सारे संपर्कों वाले एक चतुर ऑपरेटिव की थी। उसने पश्चिमी किनारे में हमास का नेटवर्क एवं प्रभाव बढ़ाया और फिलिस्तीनी अथॉरिटी में वर्चस्व रखने वाले धर्मनिरपेक्ष दल फतह से वार्ताएं कीं। सन् 2014 में, जब अरौरी हमास में एक कमांडर था, इजराइल ने उस पर पश्चिमी किनारे में तीन इजरयाली किशोरों के अपहरण और उनकी हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया था। इसी वर्ष, जब वह तुर्की में निर्वासन में था, इजराइल ने उस पर फिलिस्तीनी अथॉरिटी के राष्ट्रपति महमूद अब्बास, जो इजराइल के कब्जे वाले पश्चिमी किनारे के एक भाग में राज करते हैं, के तख्तापलट का षड?ंत्र करने का आरोप लगाया।

सन् 2017 में अरौरी हमास के राजनैतिक विभाग का उपाध्यक्ष चुना गया। विश्लेषकों और इजरायली अधिकारियों का मानना है कि उनके चुनाव से हमास और हिज़्बुल्लाह के रिश्ते और गहरे होने की प्रक्रिया शुरू हुई। चुने जाने के कुछ दिन बाद वह ईरान से संबंध मजबूत करने के उद्धेश्य से तेहरान की यात्रा पर गया। उसके ठीक बाद, फिलिस्तीनी मीडिया के अनुसार, उन्होंने सार्वजनिक रूप से हिज़्बुललाह के प्रमुख हसन नसरल्ला से मुलाकात की और उनके साथ सहयोग बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया। अमरीकी विदेश मंत्रालय ने कई सालों से अरौरी का अता-पता बताने वाले को 50 लाख डालर का इनाम देने की घोषणा कर रखी थी।

सात अक्टूबर को इजराइल पर हुए हमलों और अपहरणों के कुछ समय बाद अरौरी ने अल जज़ीरा से कहा था 卐हमारे हासिल में जो कुछ है, उसके जरिए हमारे सारे कैदी रिहा हो जाएंगे卐।उन्होंने हिज़्बुल्लाह के नेता हसन नसरल्ला से मुलाकात की और 卐इजराइल के साथ युद्ध में असली जीत हासिल करने卐 की रणनीति पर चर्चा की। इन दोनों के बातचीत करते हुए जो फोटो जारी किये गए। उनमें ऐसा दिखाया गया है कि वह ईरान के पहले सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह खौमेनी और वर्तमान नेता अली खौमेनी के पोर्ट्रेटों के नीचे खड़े हैं।

हाल में कतर की मध्यस्थता में बंधकों को लेकर हुई वार्ताओं में अरौरी ने 'अपरिहार्य' भूमिका अदा की। इजरायली विशेषज्ञों का मानना है कि इस अनुभवी वार्ताकार ने ही दोनों पक्षों द्वारा रिहा किए जाने वाले व्यक्तियों की सूची तैयार की।

अरौरी की हत्या से इजराइल को ऐसा लग सकता है कि उसने अपना बदला ले लिया है। वह खुश भी हो सकता है। लेकिन विदेशी जमीन पर की गई इस हत्या से बीबी और इजराइल के लिए और भी अधिक जटिल और अप्रिय स्थिति उत्पन्न हो सकती है। अगस्त में हिज़्बुल्लाह के नेता हसन नसरल्ला ने कहा था 卐लेबनान की जमीन पर किसी लेबनानी, सीरियाई, ईरानी या फिलिस्तीनी की हत्या का निर्णायक जवाब दिया जाएगा। हम यह बर्दाश्त नहीं करेंगे, और हम लेबनान को इजराइल का नया कत्लखाना नहीं बनने देंगे卐।

लेबनान के प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने भी बेरूत के एक उपनगर में हुए इस हमले की निंदा करते हुए कहा 卐यह इजराइल का नया जुर्म है卐 और लेबनान को युद्ध में घसीटने का प्रयास है।

इजराइल द्वारा बदला लेने के लिए अरौरी की हत्या के नतीजे में उसे दो मोर्चों पर युद्ध लडने पर बाध्य होना पड़ सकता है, जो इजराइल-हमास युद्ध प्रारंभ होने के बाद से ही अवश्यंभावी लग रहा था। और बीबी यह जानते थे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

ज्यादा गाजर खाने के नुकसान भी हैं

सर्दियों में लोग गाजर खूब खाते हैं। कई लोग गाजर के पराठे के साथ-साथ गाजर का हलवा भी खाते हैं। कई लोग गाजर का आचार भी खाते हैं। लेकिन आपकी जानकारी के लिए बता दें कि हद से ज्यादा गाजर खाना काफी ज्यादा नुकसानदायक होता है। ज्यादा गाजर खाने से पेट से जुड़ी दिक्कत हो सकती है। सर्दियों में लोग खूब गाजर खाते हैं। कई लोग पराठा, हलवा, सलाद, आचार, सब्जी, अचार, पराठे और कई तरह के चीजें में मिलाकर बनाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है गाजर आपकी सेहत के लिए फायदेमंद है तो वहीं इसे ज्यादा खाने के नुकसान भी हैं। आइए जानें गाजर खाने से कौन सी बीमारी हो सकती है।

जिन लोगों को बीपी और ब्लड शुगर की दिक्कत है तो उन्हें ज्यादा गाजर नहीं खाना चाहिए। यह खाने से ब्लड में शुगर का लेवल बढ़ सकता है। ऐसे लोगों को गाजर खाने से पहले एक बार डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए। जिन लोगों को नींद की समस्या होती है। उन्हें गाजर से दूरी बनानी चाहिए। एक्सपर्ट की मानें तो गाजर का पीला हिस्सा गर्म होता है। इसे ज्यादा खाने से पेट में गर्मी गले में जलन की दिक्कत हो सकती है। ज्यादा गाजर खाने से दांत में दर्द भी पैदा हो सकती है। गाजर का पीला हिस्सा आपके दांतों में काफी हद तक कमजोर कर सकती है। इसलिए जिन लोगों को दांत से जुड़ी समस्या है उन्हें ज्यादा गाजर नहीं खाना चाहिए।

गाजर फाइबर से भरपूर होता है। ऐसे में अगर आप रोजाना गाजर खाते हैं तो शरीर पर फाइबर का लेवल बढ़ सकता है। जिसकी वजह से आपको पेट में दर्द और पेट से जुड़ी समस्या हो सकती है। गाजर में फाइबर के साथ कैरोटिन भी काफी मात्रा में होती है। इसे ज्यादा खाने से त्वचा के कलर में भी बदलाव हो सकते हैं। शरीर में कैरोटिन की मात्रा बढने से त्वचा का पीलापन भी बढ़ सकता है। सबसे जरूरी बात जो महिलाएं ब्रेस्टफीडिंग करवाती हैं उन्हें ज्यादा गाजर तो एकदम नहीं खाना चाहिए। क्योंकि गाजर ज्यादा खाने से दूध का स्वाद बदल सकता है।

संदीप किशन की फिल्म उरु पेरु भैरवकोना की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

तेलुगु अभिनेता संदीप किशन का अगला उद्यम, माइकल को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद, ऊरु पेरू भैरवकोना है। वीआई आनंद द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने हाल ही में काफी चर्चा बटोरी है, जिससे अभिनेता फिर से सुर्खियों में आ गए हैं।

एक महत्वपूर्ण खुलासे में, फिल्म के निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर इसकी रिलीज की तारीख की घोषणा कर दी है। उरू पेरू भैरवकोना 9 फरवरी, 2024 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने के लिए पूरी तरह तैयार है। उत्साह को बढ़ाने के लिए, एक आकर्षक और गहन पोस्टर का अनावरण किया गया है, जो फिल्म के सार को दर्शाता है। दिलचस्प बात यह है कि यह फिल्म सिद्धू जोनलागड्डा की टिल्लू स्क्वायर के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार है, क्योंकि दोनों एक ही तारीख पर रिलीज होने वाली हैं।

इस सिनेमाई पेशकश में मुख्य भूमिका वर्षा बोलम्मा द्वारा कुशलतापूर्वक निभाई गई है, जिसमें काव्या थापर, हर्षा चेमुडु, राजशेखर अनिंगी, वेनेला किशोर और कुशी रवि जैसे प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं। हस्या मूवीज़ बैनर के तहत रेज़ेश डांडा द्वारा निर्मित, ऊरु पेरू भैरवकोना गर्व से खुद को एके एंटरटेनमेंट्स के साथ जोड़ता है और शेखर चंद्रा द्वारा रचित एक संगीत स्कोर का दावा करता है।

जैसे-जैसे फिल्म अपनी रिलीज के लिए तैयार हो रही है, सिनेप्रेमी एक दिलचस्प कहानी, शानदार प्रदर्शन और रचनात्मक प्रतिभा की आशा कर सकते हैं जिसके लिए वीआई आनंद जाने जाते हैं।

शब्द सामर्थ्य -056

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू.) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

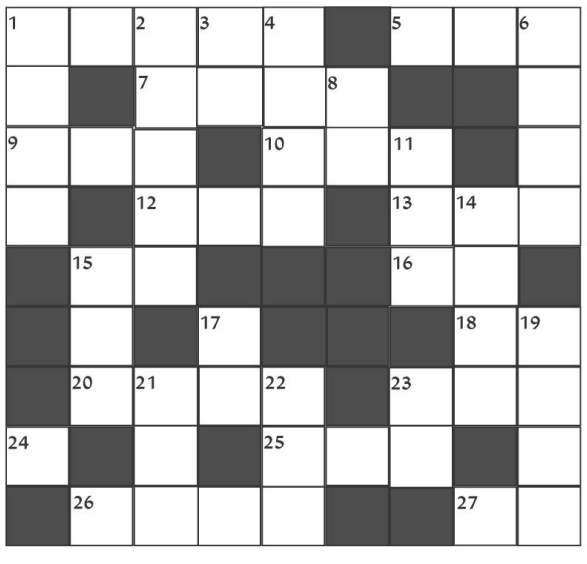

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 55 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म	■	■	स
ट	■	भ	ला	ई	■	अ	स	म
ना	म	■	■	स	मा	धि	■	झ
■	ज	■	बे	■	न	का	र	ना
बा	बू	■	आ	य	क	र	■	■
■	र	की	ब	■	■	■	प्र	था
ज	■	■	रू	प	क	■	ज	न
हा	■	पा	■	ना	म	ची	न	■
ज	हां	प	ना	ह	■	ता	न	ना

विजय एंटनी की पैन इंडिया एक्शन थ्रिलर हिटलर का टीज़र रिलीज़

संगीत निर्देशक से अभिनेता और फिल्म निर्माता बने विजय एंटनी ने तेलुगु में पिचाईक्करन/बिचागाडु जैसी फिल्मों में अपनी बहुमुखी भूमिकाओं से दर्शकों को प्रभावित किया है और हाल ही में रिलीज़ हुई पिचाईक्करन 2/बिचागाडु 2 तेलुगु में एक बड़ी सफलता थी। अभिनेता हिटलर नामक एक और दिलचस्प फिल्म लेकर आ रहे हैं।

चेंदूर फिल्म इंटरनेशनल, जिसने पहले विजय एंटनी के साथ फिल्म विजय राघवन का निर्माण किया था, अपने 7वें प्रोजेक्ट के रूप में फिल्म हिटलर का निर्माण कर रहा है। फिल्म का निर्माण डीटी राजा और डीआर संजय कुमार द्वारा किया गया है। डायरेक्टर धाना एक्शन थ्रिलर कहानी वाली फिल्म हिटलर बना रहे हैं। इस रोमांचक प्रोजेक्ट का टीज़र आज रिलीज़ किया गया।

हिटलर एक राजनीतिक नेता और तानाशाह है और हिटलर के टीज़र में एक हत्यारे की तलाश को दिखाया गया है। टीज़र इन तीनों किरदारों का परिचय देता चलता है। पुलिस अधिकारी लक्ष्य तक पहुंचकर हत्यारे को पकड़ लेता है, फिर भी हत्यारा मुस्कुराता हुआ दिखाई देता है, जिसने टीज़र में काफी उत्सुकता पैदा कर दी है। इस एक्शन एंटरटेनर में एक अद्भुत लव ट्रैक है। विजय एंटनी एक नए रूप और चरित्र चित्रण में एक हत्यारे के रूप में सामने आए। टीज़र विश्व स्तरीय उत्पादन मूल्यों, पृष्ठभूमि स्कोर और आश्चर्यजनक दृश्यों के साथ प्रभावशाली है।

कुछ शासक लोकतंत्र के नाम पर तानाशाह की तरह काम कर रहे हैं। हिटलर ऐसे तानाशाह का सामना करने वाले एक आम नागरिक की कहानी है। यह फिल्म पूरे भारत में तमिल, तेलुगु, मलयालम, हिंदी और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज होने वाली है।

नागार्जुन की ना सामी रंगा मूवी का टीज़र आउट

नागार्जुन की बहुप्रतीक्षित परियोजना, 'ना सामी रंगा' उत्साह में बढ़ती जा रही है क्योंकि टीम ने अपडेट की एक श्रृंखला का अनावरण किया है जिससे प्रशंसकों को फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में अल्लारी नरेश की एक विशेष झलक और फिल्म के सहायक कलाकारों – अल्लारी नरेश, मिरना मेनन और आशिका रंगनाथ की पर्दे के पीछे की स्पष्ट तस्वीरों के अनावरण ने एक हलचल पैदा कर दी है, जिसने एक यादगार सिनेमाई अनुभव का वादा करने के लिए मंच तैयार किया है। प्रत्याशा को बढ़ाते हुए, किंग नागार्जुन ने स्वयं अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर टीज़र की रिलीज़ के एक महत्वपूर्ण विकास की घोषणा की, जिसमें एक्शन, मनोरंजन और भावना की किंग साइज़ खुराक का वादा किया गया था।

विजय बिन्नी द्वारा निर्देशित, ना सामी रंगा खुद को सर्वोत्कृष्ट संक्रांति मनोरंजक फिल्म के रूप में स्थापित कर रही है, जिसकी कहानी का उद्देश्य दर्शकों को लुभाना है और नागार्जुन, राज तरूण और रुखसार ढिल्लों की प्रमुख भूमिकाओं वाली एक शानदार कलाकार एक गतिशील प्रदर्शन का वादा करती है।

ना सामी रंगा के लिए दांव काफी ऊंचे हैं, खासकर नागार्जुन की हालिया फिल्म द घोस्ट के बाद, जो उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। निर्माण के शीर्ष पर श्रीनिवास चुद्दुरी और संगीत प्रतिभा एमएम कीरावनी द्वारा धुन तैयार करने के साथ, फिल्म मनोरंजन और ग्रामीण आकर्षण का एक आदर्श मिश्रण पेश करते हुए, संक्रांति रिलीज अनुभव को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है।

जैसा कि प्रशंसकों को टीज़र लॉन्च का बेसब्री से इंतजार है, सभी की निगाहें ना सामी रंगा पर टिकी हैं, इस उम्मीद के साथ कि यह न केवल एक्शन और मनोरंजन के वादे को पूरा करेगा बल्कि ग्रामीण जीवन की एक हार्दिक झलक भी प्रदान करेगा। एक सिनेमाई यात्रा के लिए बने रहें, जो टीज़र के साथ सामने आने वाली है, जो दर्शकों को इस बहुप्रतीक्षित संक्रांति रिलीज में इंतजार कर रहे जादू की एक झलक प्रदान करेगी। (आरएनएस)

रीगल ब्लू प्रिंटेड साड़ी में बेहद खूबसूरत लगीं अभिनेत्री काव्या थापर

नीली साड़ी में काव्या बेहद खूबसूरत लग रही हैं. असाधारण रूप से प्रतिभाशाली अभिनेत्री काव्या थापर अपनी आगामी फिल्म ईगल के साथ तेलुगु दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं, जिसमें रवि तेजा के साथ अभिनय किया गया है और यह शुभ संक्रांति उत्सव के दौरान रिलीज होने वाली है।

हाल की झलकियों में, काव्या थापर ने आकर्षक गुलाबी मोतियों वाली बॉर्डर से सजी लुभावनी नीली फूलों की साड़ी पहनकर खूबसूरती से सुर्खियों में कदम रखा है। उनका पहनावा, गुलाबी रंग की पूरक छाया में सजे उनके घुंघराले बालों के साथ, आकर्षण और परिष्कार का एक सामंजस्यपूर्ण मिश्रण पेश करता है।

उसकी आंखें, सावधानीपूर्वक आंखों के मेकअप के कारण, उसकी मनमोहक निगाहों की ओर ध्यान खींचती हैं, जिससे उसके समग्र स्वरूप में आकर्षण की एक अतिरिक्त परत जुड़ जाती है। जिस तरह से वह अपनी साड़ी को निपुणता से पहनती है वह उसकी सहज शैली की भावना को दर्शाता है, जो अनुग्रह और लालित्य को प्रदर्शित करता है। उनका प्रत्येक पोज़ आत्मविश्वास और शिष्टता प्रदर्शित करता है, एक अमिट छाप छोड़ता है और दर्शकों को प्रभावित करता है।

काव्या थापर की त्रुटिहीन फैशन पसंद और उनका समग्र व्यवहार पहले से ही प्रशंसकों और प्रशंसकों के बीच चर्चा पैदा कर रहा है, जिससे अनुभवी अभिनेता रवि तेजा के साथ उनकी भूमिका के लिए काफी उम्मीदें हैं। उनकी स्पष्ट प्रतिभा, उनकी मंत्रमुग्ध उपस्थिति के साथ मिलकर, एक ऐसे प्रदर्शन का सुझाव देती है जो तेलुगु सिनेमा प्रेमियों के दिलों में बसने के लिए बाध्य है। जैसा कि संक्रांति के त्योहारी सीजन के दौरान फिल्म की रिलीज के लिए प्रत्याशा बढ़ती जा रही है, काव्या थापर की संतुलित और मंत्रमुग्ध कर देने वाली उपस्थिति दर्शकों के लिए एक रोमांचक और रोमांचकारी सिनेमाई अनुभव का इंतजार कर रही है। अपने चुंबकीय आकर्षण और निर्विवाद प्रतिभा के साथ, वह फिल्म प्रेमियों के दिलों में एक अमिट छाप छोड़ते हुए एक महत्वपूर्ण प्रभाव डालने के लिए तैयार है।

सालार के बाद प्रभास की नई फिल्म का ऐलान

साउथ स्टार प्रभास इन दिनों अपनी फिल्म सालार को लेकर हर तरफ छाए हुए हैं. एक्टर की फिल्म हाल ही में रिलीज हुई है, जिसे दर्शकों की तरफ से काफी बढि?ा रिस्पॉन्स मिल रहा है. फिल्म बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई है और ये कमाई के मामले में भी कई रिकॉर्ड तोड़ चुकी हैं. वहीं, अब सालार की सफलता के बाद प्रभास की एक और फिल्म का ऐलान हो गया है.

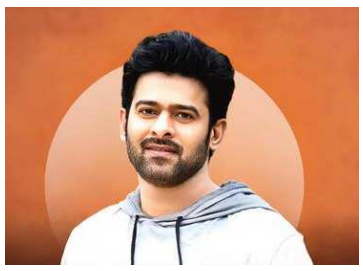

प्रभास अब डायरेक्टर मारुति संग काम करने जा रहे हैं. मारुति ने खुद प्रभास संग अपनी नेक्स्ट फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसके बाद तो एक्टर के फैंस की खुशी का ठिकाना ही नहीं है. मारुति ने फिल्म का पोस्टर जारी कर प्रभास की अगली फिल्म की अनाउंसमेंट की है. पोस्टर देखकर एक्टर के फैंस बेहद एक्साइटेड हो गए हैं.

मारुति ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स (ट्विटर) पर फिल्म का पोस्टर शेयर किया है. इसके साथ उन्होंने लिखा है- उत्साहित और लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रहा था. रिबेल स्टार प्रभास को एक नए अवतार में दिखाने के लिए बहुत खुश हूं. मिलते हैं पोंगल पर

पोस्टर में भी यही बात लिखी हुई है. हालांकि, अभी तक इस फिल्म का टाइटल या प्रभास का लुक रिवील नहीं किया गया है. लेकिन मारुति ने इसकी रिलीज का हिंट दे दिया है. पोस्ट के मुताबिक फिल्म पोंगल पर रिलीज हो सकती है.

सर्दी के मौसम में मोनालिसा ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा, फैंस के साथ शेयर किया इतना ग्लैमरस लुक

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा को वैसे तो कई प्रोजेक्ट्स में अपनी का जादू चलाते देखा गया है। उन्हें हर अंदाज में दर्शकों का खूब दिल जीता। हालांकि, अपने किसी भी प्रोजेक्ट से ज्यादा मोनालिसा हमेशा अपने लुक्स और बोल्डनेस के कारण चर्चा में रही हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। उनकी प्रोफेशनल लाइफ की झलक अक्सर उनके इंस्टग्राम पेज पर देखने को मिल जाती है।

मोनालिसा अब फिर से कुछ देर पहले ही अपना नया लुक दिखाते फैंस के साथ एक फोटो शेयर की है। इसमें एक्ट्रेस टू पीस पहने नजर आ रही हैं।

इस फोटो में एक्ट्रेस गोवा वेकेशन्स के दौरान कैमरे के सामने किलर पोज दे रही हैं। यहां वह स्वीमिंग पूल के पास खड़ी नजर आ रही हैं। मोनालिसा का ये हॉट अवतार कडकड़ाती ठंड में इंटरनेट का पारा जरूर हाई कर रहा है।

मोनालिसा ने अपने इस लुक को सटल बेस, डार्क पिंक लिप्स और न्यूड आईज के साथ कंप्लीट किया है। इसके साथ

मोनालिसा ने अपने बालों को मैसी टच देकर ओपन रखा हुआ है। एक्ट्रेस इस लुक में बेहद हॉट दिख रही हैं। वहीं, कुछ ही देर में मोनालिसा की फोटो पर हजारों लाइक्स आ चुके हैं। वहीं, फैंस ने उन्हें हॉट, फैब्युलेस और स्टनिंग बताते हुए कई कमेंट्स किए हैं।

मोनालिसा के वर्क फ्रंट पर नजर डालें तो वह लंबे वक्त से कुछ चुनिंदा प्रोजेक्ट्स के लिए साइन कर रही हैं। पिछली बार उन्हें इसी साल टेलीकास्ट हुए हिन्दी टीवी शो बेकाबू में देखा गया था। शालीन भनोट के लीड रोल वाले इस शो में मोनालिसा को भी दमदार रोल में देखा गया था। हालांकि, यह सीरियल कुछ ही समय में ऑफ एयर हो गया।

ऑनलाइन शादियों की ठगी समझे, वेडिंग.कॉन देखें

विनीत नारायण,

आश्चर्य की बात यह है कि सभ्रांत परिवार की यह पढ़ी-लिखी महिलाएँ इस तरह ठगों के झाँसे में आ गईं कि पूरी तरह लुट जाने के पहले उन्होंने कभी अपने माता-पिता तक से इस विषय में सलाह नहीं ली और न ही उन्हें अपने आर्थिक लेन-देन के बारे में कभी कुछ बताया। शादी के मामले में सोशल मीडिया की सूचनाओं को और इसके माध्यम से संपर्क में आने वाले व्यक्तियों को तब तक सही न माने जब तक उनकी और उनके परिवार की पृष्ठभूमि की किसी समानांतर प्रक्रिया से जाँच न करवा लें।

जब से सोशल मीडिया का नेटवर्क पूरी दुनिया में फैला है तब से इसका उपयोग करने वालों की संख्या करोड़ों में बढ़ती हुई है। इसका लाभ यह है कि दुनिया के किसी भी कोने में बैठा व्यक्ति दूसरे छोर पर बैठे व्यक्ति से चौबीसों घंटे संपर्क में रह सकता है। फिर वो चाहे आपसी चित्रों का आदान-प्रदान हो, टेलीफोन वार्ता हो या कई लोगों की मिलकर ऑनलाइन मीटिंग हो। इसका एक लाभ उन लोगों को भी हुआ है जो जीवन साथी की तलाश में रहते हैं। फिर वो चाहे पुरुष हों या महिलाएँ।

हम सबकी जानकारी में ऐसे बहुत से लोग होंगे जिन्होंने इस माध्यम का लाभ उठा कर अपना जीवन साथी चुना है और सुखी वैवाहिक जीवन बिता रहे हैं। पर हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। अगर एक पहलू यह है तो दूसरा पहलू यह भी है जहां सोशल मीडिया का दुरुपयोग करके बहुत सारे लोगों को धोखा हुआ है और आर्थिक व मानसिक यातना भी झेलनी पड़ी है।

भारत में किसी अविवाहित महिला का जीवन जीना आसान नहीं होता। उस पर समाज और परिवार का भारी दबाव रहता है कि वो समय रहते शादी करे। चूँकि आजकल शहरों की लड़कियाँ काफ़ी पढ़-लिख रही हैं और अच्छी आमदनी वाली नौकरियाँ भी कर रही हैं इसलिए प्रायः ऐसी महिलाएँ केवल माता-पिता के सुझाव को मान कर पुराने ढर्रे पर शादी नहीं करना चाहती। वे अपने कार्य क्षेत्र में या फिर सोशल मीडिया पर अपनी पसंद का जीवन साथी ढूँढती रहती हैं। इसके साथ ही ऐसी महिलाओं की संख्या कम नहीं है जो कम उम्र में तलाकशुदा हो गईं या विधवा हो गईं। इन महिलाओं के पास भी अपने गुज़ारे के लिए आर्थिक सुरक्षा तो ज़रूर होती है परन्तु भावनात्मक असुरक्षा के कारण इन्हें भी फिर से जीवन साथी की तलाश रहती है। इन दोनों ही क़िस्म की महिलाओं को दुनिया भर में बैठे ठग अक्सर मूर्ख बना कर मोटी रक़म ऐंठ लेते हैं। बिना शादी किए ही इनकी ज़िंदगी बर्बाद कर देते हैं।

ऐसी ही कुछ सत्य घटनाओं पर आधारित बीबीसी की एक वेब सीरीज 'वेडिंग.कॉन' ओटीटी प्लेटफार्म आमेजन प्राइम पर है। यह सीरीज इतनी प्रभावशाली है कि इसे हर उस महिला को देखना चाहिए जो सोशल मीडिया पर जीवन साथी की तलाश में जुटी हैं। इस सिरीज़ में जिन महिलाओं के साथ हुए हादसे दिखाए गए हैं उनमें से एक विधवा महिला तो अपनी मेहनत की कमाई का लगभग डेढ़ करोड़ रुपया उस व्यक्ति पर लुटा बैठी जिसे उसने कभी देखा तक न था। इसी तरह एक दूसरी महिला ने पचास लाख रुपये गंवाए तो तीसरी महिला ने बाईस लाख रुपये। चिंता की बात यह है कि ये सभी महिलाएँ खूब पढ़ी-लिखी, संपन्न परिवारों से और प्रोफेशनल नौकरियों में जमी हुई थीं। शादी की चाहत में सोशल मीडिया पर ये ऐसे लोगों के जाल में फँस गईं जिन्होंने अपनी असलियत छिपा कर शादी की वेब साइटों पर नक़ली प्रोफाइल बना रखे थे।

ये ठग इस हुनर में इतने माहिर थे कि उनकी भाषा और बातचीत से इन महिलाओं को रत्ती भर भी शक नहीं हुआ। वे बिना मिले ही उनके जाल में फँसती गईं और उनकी भावुक कहानियाँ सुन कर अपने खून-पसीने की कमाई उनके खातों में ट्रांसफ़र करती चली गई। इन महिलाओं को कभी यह लगा ही नहीं कि सामने वाला व्यक्ति कोई बहरूपिया या ठग है और वो बनावटी प्यार जता कर इन्हें अपने जाल में फँसा रहा है। इनमें से दो व्यक्ति तो ऐसे निकले जो तीस से लेकर पचास महिलाओं को धोखा दे चुके थे। तब कहीं जा कर पुलिस उन्हें पकड़ पाई।

आश्चर्य की बात यह है कि सभ्रांत परिवार की यह पढ़ी-लिखी महिलाएँ इस तरह ठगों के झाँसे में आ गईं कि पूरी तरह लुट जाने के पहले उन्होंने कभी अपने माता-पिता तक से इस विषय में सलाह नहीं ली और न ही उन्हें अपने आर्थिक लेन-देन के बारे में कभी कुछ बताया।

जब इन्हें यह अहसास हुआ कि वे किसी आधुनिक ठग के जाल में फँस चुकी हैं तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अब पछताए होत क्या जब चिडिया चुग गई खेत। इस अप्रत्याशित परिस्थिति ने उन्हें ऐसा सदमा दिया कि कुछ तो अपने होशोहवास ही गँवा बैठी। उनके माता-पिता को जो आघात लगा वो तो बयान ही नहीं किया जा सकता। फिर भी इनमें से कुछ महिलाओं ने हिम्मत जुटाई और पुलिस में शिकायत लिखवाने का साहस दिखाया। फिर भी ये ज़्यादातर ठगों को पकड़वा नहीं सकीं।

साइबर क्राइम से जुड़े पुलिस के बड़े अधिकारी और साइबर क्राइम के विशेषज्ञ वकील ये कहते हैं कि मौजूदा क़ानून और संसाधन ऐसे ठगों से निपटने के लिए नाकाफ़ी हैं। इनमें से भी जो ठग विदेशों में रहते हैं उन तक पहुँचना तो नामुमकिन है। क्योंकि ऐसे ठगों का प्रत्यर्पण करवाने के लिए भारत की दूसरे देशों से द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधि नहीं है। देसी ठगों को भी पकडना इतना आसान नहीं होता क्योंकि वह फर्ज़ी पहचान, फर्ज़ी आधार कार्ड, फर्ज़ी पैन कार्ड, फर्ज़ी टेलीफोन नंबर का प्रयोग करते हैं और अपने मक़सद को हासिल करने के बाद इन सबको नष्ट कर देते हैं। इस सिरीज़ की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि यह करोड़ों भारतीय महिलाओं को बहुत गहराई से ये समझाने में सफल रही है कि शादी के मामले में सोशल मीडिया की सूचनाओं को और इसके माध्यम से संपर्क में आने वाले व्यक्तियों को तब तक सही न माने जब तक उनकी और उनके परिवार की पृष्ठभूमि की किसी समानांतर प्रक्रिया से जाँच न करवा लें। कोई कितना भी प्रेम क्यों न प्रदर्शित करे, अपने वैभव का कितना भी प्रदर्शन क्यों न करे उसे एक पैसा भी शादी से पहले किसी क़ीमत पर न दें। शादी के बाद भी अपने धन और बैंक अकाउंट को अपने ही नियंत्रण में रखें, उसे नये रिश्ते के व्यक्ति के हाथों में न सौंप दें वरना जीवन भर पछताना पड़ेगा। जिन महिलाओं के पास ओटीटी प्लेटफार्म की सुविधा नहीं है अपने मित्रों या रिश्तेदारों के घर जा कर इस सिरीज़ को अवश्य देखें और अपने साथियों को इसके बारे में बताएँ। ताकि भविष्य में कोई महिला इन ठगों के जाल में न फँसे।

सौभाग्य से, मैं खुद को एक बक्से तक सीमित नहीं पाती: वामीका गब्बी

चार्ली चोपड़ा के लिए मशहूर अभिनेत्री वामिका गब्बी ने अपनी 2023 की उल्लेखनीय यात्रा पर बात की। उन?होंने कहा कि वह खुश हैं कि वह खुद को एक बॉक्स तक सीमित नहीं पाती हैं।

एक रोमांचक तरीके से, वामीका ने साझा कियाः मैं अपने करियर के एक रोमांचक चरण में हूं, मुझे विभिन्न प्रकार के प्रस्ताव मिल रहे हैं जो मुझे नकारात्मक भूमिकाओं से लेकर काल्पनिक और चुलबुली, चंचल व्यक्तित्व वाले किरदारों का पता लगाने की अनुमति देते हैं। सौभाग्य से, मैं खुद को एक बॉक्स तक सीमित नहीं पाती हूं।

जुबली में वामिका की निलोफर की भूमिका या चार्ली चोपड़ा में जासूस की भूमिका के साथ 2023 अभिनेत्री के लिए एक बड़ी सफलता के रूप में सामने आया है। इन सफलताओं ने उन्हें इस साल आईएमडीबी की सूची के अनुसार भारत में सबसे लोकप्रिय हस्तियों में चौथे नंबर पर भी स्थान दिलाया, जहां उन्होंने आलिया भट्ट और शाहरुख खान के साथ स्थान साझा किया।

अपनी यात्रा पर विचार करते हुए वामीका ने मिले समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और कहा, यह साल चुनौतियों और जीत से भरा एक अद्भुत सफर रहा है। मैं अवसरों और मेरे द्वारा निभाए गए विविध किरदारों को दर्शकों द्वारा अपनाए जाने के लिए आभारी हूं। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र.056

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 55 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

नए साल के युद्ध संकल्प !

श्रुति व्यास

अपने नए साल के भाषण में यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमिर जेलेंस्की ने कसम खाई है कि 2024 में वे रूसी सेना पर कहर बरपाएंगे। वे यह बात पूरे भरोसे से इसलिए कह पाए क्योंकि यूक्रेन आज पहले की तुलना में अधिक शक्तिशाली है। यह युद्ध अपने तीसरे कैलेंडर वर्ष में प्रवेश कर रहा है।

उधर नए साल के ठीक एक दिन पहले और बाद में भी गाजा पर इजराइली हमले जारी रहे। हवाई हमलों में कई प्रोफेसर मारे गए और गाजा के केन्द्रीय हिस्से को धूल में मिला दिया गया। बेंजामिन नेतन्याहू ने संकल्प लिया है कि यह युद्ध तब तक चलता रहेगा जब तक उसे जारी रखना जरूरी होगा।

दोनों युद्ध युद्धक्षेत्र में भी लड़े जा रहे हैं और डिजीटल दुनिया में भी। दोनों का पूरे विश्व पर प्रभाव पड़ रहा है और सारी दुनिया के लिए दोनों के निहितार्थ हैं। सभी देशों के किसान तब स्तब्ध रह गए थे जब युद्ध की शुरुआत के बाद उन्हें यूक्रेन और रूस से अचानक उर्वरक मिलना बंद हो गए थे। अब लाल सागर में हो रहे हमलों के चलते एक बार फिर सप्लाई बाधित हो रही है। सोशल मीडिया पर सारी दुनिया के युवाओं से कहा जा रहा है कि वे अपनी राय दें, विरोध प्रकट करें और ग्लोबल चेन्स का बहिष्कार करें। इजराइल-हमास युद्ध घिनौना, घातक और दर्दनाक है। नए साल की पूर्व संध्या पर कई लोगों ने केवल ऐसी तस्वीरें और वीडियो साझा किए जिनमें युद्ध के वे दृश्य दिखाए गए हैं जिनमें बच्चे मारे गए। मुझे एक संदेश मिला कि 'हैप्पी' शब्द टाइप करने या 'हैप्पी' महसूस करने से पहले मुझे उन बच्चों के बारे में सोचना चाहिए जो गाजा में मारे गए या मारे जा रहे हैं।

निस्संदेह इस नव वर्ष पर इजराइल-हमास युद्ध पर सबका ध्यान केन्द्रित रहा है और आगे भी रहेगा। क्योंकि यह युद्ध कई देशों में चुनावों को प्रभावित करेगा, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण है अमेरिका, जहां बहुत से युवा डेमोक्रेटों ने इजराइल का समर्थन करने के कारण बाइडन का साथ छोड़ दिया है। यही कारण है कि व्यक्तिगत टेलीफोन चर्चाओं में बाइडन नेतन्याहू पर बर्बादी बंद करने के लिए अधिकाधिक दबाव डाल रहे हैं। लेकिन नेतन्याहू का हमेशा से लक्ष्य रहा है ओस्लो समझौते को सदा-सदा के लिए खत्म और निष्प्रभावी करना। इस मामले में बीबी और हमास दोनों को हमेशा एक दूसरे की जरूरत रही है। बीबी अमेरिका और इजराइलियों को बताते हैं कि उनके पास कोई विकल्प नहीं है, और हमास, गाजा के निवासियों और दुनिया भर के अपने नए और सरल समर्थकों से कहता है कि फिलिस्तीनियों के पास हमास के नेतृत्व में सशस्त्र संघर्ष करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

लेकिन बीबी रुकने को तैयार नहीं हैं। यहां तक कि 2024 के बारे में सबसे बड़ी चिंता यही है कि इस साल कहीं अलग-थलग पड़े इजराइल के खिलाफ जंग न शुरू हो जाए। ज़मीन पर चल सकने वाले वाहनों से लदे ईरानी जहाज, हमास, हिज़बुल्ला, हूती और ईराक के शिया लड़ाकों ने इजराइल को घेर रखा है। ईरान अपनी कठपुतलियों के ज़रिये इजराइल को कई मोर्चों पर एक साथ लडने के लिए बाध्य करने में जुटा है।

अगर युद्ध हुआ तो इजराइल के प्रति दुनिया की न सहानुभूति होगी, न संवेदना होगी और ना ही ऐसे मित्र देश होंगे, जो ईरान के खतरे का मुकाबला करने में उसकी मदद कर सकेंगे। और ना ही उसे हमास को परास्त करने के बाद, गाजा का प्रशासन चलाने के लिए फिलिस्तीनी सहयोगी मिलेंगे।

जहां तक यूक्रेन में चल रहे युद्ध का सवाल है, अभी तो यही दिखता है कि अगले कुछ महीनों तक वहां महत्वपूर्ण संसाधनों के अभाव के बीच लड़ाई जारी रहेगी। साथ ही असला का जो स्टॉक 2023 में खत्म हो गया, उसे दोबारा जुटाने के कवायद भी चलती रहेगी। जेलेंस्की ने नए साल की पूर्व संध्या पर कहा कि दुश्मन को एफ-16 लड़ाकू विमानों के देश में ही उत्पादन होने के नतीजों का अहसास होगा। ज़ेलेंसकी आत्मविश्वास से सराबोर हैं तो रूस निर्ममता बरतने पर दृढ है। मास्को ने भी हाल एं मिसाईलों और ड्रोन के जरिए कई हमले किए हैं और युद्ध शुरू होने के बाद के सबसे बड़े हवाई हमलों में से एक में 39 लोग मारे गए।

श्री गुरु गोबिन्द सिंह के प्रकाश पर्व को समर्पित 16 तक निकालेगें प्रभात फेरियां

संवाददाता

देहरादून। सिख सेवा जत्था श्री गुरू गोविन्द सिंह के प्रकाश पर्व को समर्पित 16 तक प्रभात फेरियां निकालेगा।

आज यहां सिख सेवक जत्था एक समाजिक एवं धार्मिक संस्था है जो कि पिछले 57 वर्षों से अपना सहयोग धार्मिक संस्थायों को देती आ रही है, इस वर्ष गुरु गोबिन्द सिंह का प्रकाश पर्व 17 जनवरी को एवं नगर कीर्तन 15 को है। जत्थे का प्रधान सरदार गुलजार सिंह ने बताया कि प्रभात फेरियां आज से आरम्भ हो गई हैं,14 जनवरी को प्रात: 8.0 बजे गुरूद्वारा सिंह सभा में अमृत संचार होगा एवं 15 जनवरी को नगर कीर्तन गुरूद्वारा करनपुर से साढे बारह बजे आरम्भ होगा जो कि सर्वे चौक, क्वाल्टी चौक, घंटाघर से धामावाला बाजार से लक्खी बाग पुलिस चौकी से गुरूद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में रात्रि करीब 8.0 बजे सम्पूर्ण होगा स नगर कीर्तन में शब्दी जत्थे के रूप में शामिल होगा। 17 जनवरी प्रकाश पर्व वाले दिन प्रशाद बनाने की सेवा, लंगर बरताने आदि की सेवा करेगा।

जनरल सेक्रेटरी सेवा सिंह मठारु ने बताया कि आज से आरम्भ हुई प्रभात फेरी प्रात: पांच बजे गुरूद्वारा श्री गुरु सिंह सभा से अरदास के पश्चात आरम्भ हुई संगत पंक्तिवद्ध हो कर, शब्द 'सूरा सो पहचानिये जो लड़े दीन के हेत' का गायन करते हुए रेलवे स्टेशन के पास होटल विक्टोरिया के मालिक सरदार तरणजीत सिंह चावला के निवास पर पहुंच कर शब्द 'वाह वाह गोबिन्द सिंह आपे गुर चेला' आदि का गायन किया। अरदास एवं प्रसाद वितरण के पश्चात संगत ने गुरूद्वारा साहिब शब्द गायन करते हुए वापसी की।

प्रभात फेरी में मुख्यरूप से सरक्षक गुरप्रीत सिंह जोली, उपाध्यक्ष सरदार राजिंदर सिंह राजा, सुरजीत सिंह कोहली, सचिव अरविन्दर सिंह, जत्थेदार सोहन सिंह, अरविन्द सिंह, सुरेंदर सिंह, अविनाश सिंह एवं जत्थे की बीबियां आदि शामिल थे।

आशारोड़ी पर हिन्दू संगठनों का जबरदस्त हंगामा

हमारे संवाददाता

देहरादून। गौमांस तस्करी की सूचना पर हिन्दू जागरण मंच व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जब आशारोड़ी पर जब दो वाहनों को रोकने का प्रयास किया गया तो उनमें से एक वाहन भाग निकला जबकि दूसरा वाहन हिन्दू संगठनों द्वारा पकड़ लिया गया। हालांकि इस दौरान अफरा तफरी का फायदा उठाते हुए इस वाहन का चालक व परिचालक भी फरार हो गया। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर वाहन से काफी मात्रा में मांस बरामद कर लिया है और उसको जांच के लिए भिजवा दिया गया है। मामले के दौरान हिन्दू संगठनों की ओर से जबरदस्त हंगामा किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज तड़के हिन्दू जागरण मंच व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को सूचना मिली कि सहारनपुर की ओर से कुछ वाहनों में राजधानी देहरादून में प्रतिबन्धित गौंमास की सप्लाई होने वाली है। सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंच कर हिन्दू संगठनों द्वारा वाहनों की तलाशी ली गयी। इस दौरान एक वाहन चालक अपना वाहन लेकर फरार हो गया। जबकि दूसरे वाहन को हिन्दू संगठनों द्वारा घेर कर पकड़ लिया गया। हालांकि इस दौरान पकड़े गये वाहन का चालक व परिचालक फरार हो गया।

वाहन की तलाशी के दौरान उसमें काफी मात्रा में मांस बरामद किया गया। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर उक्त वाहन को कब्जे में लेकर वाहन में रखा मांस जांच के लिए भिजवा दिया है। वहीं मामले को लेकर हिन्दू संगठनों ने मौके पर ही भारी हंगामा काटा गया है।

प्रतिबंधित प्लास्टिक होलोग्राम प्रदेश के पर्यावरण में जहर घोलेंगे: थापर

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस नेता अभिनव थापर ने कहा कि आबकारी विभाग के टेंडर से 150 करोड़ प्रतिबंधित प्लास्टिक होलोग्राम उत्तराखंड के पर्यावरण में जहर घोलेंगे। जिसके खिलाफ आंदोलन किया जायेगा।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में सामाजिक कार्यकर्ता व कांग्रेस नेता अभिनव थापर ने कहा कि पर्यावरणविद स्वर्गीय पद्म विभूषण सुंदर लाल बहुगुणा की जयंती पर आबकारी विभाग उत्तराखंड द्वारा प्रतिबंधित - बैन सिंगल यूज प्लास्टिक (एसयूपी) का 150 करोड़ होलोग्राम (लेबल्स) के टेंडर में घोर अन्नमित्ताएं की गयी है। उन्होंने कहा कि यह कार्य केंद्र सरकार की प्रतिबंधित सिंगल उपयोग प्लास्टिक (एसयूपी) बैन की नीति, प्रधानमंत्री कार्यालय व नेशनल ग्रीन ट्राइब्यूनल नई दिल्ली द्वारा जारी (एसयूपी) के प्रतिबंध की गाइडलाइंस के बिलकुल विपरीत है। उन्होंने कहा कि आबकारी विभाग उत्तराखंड ने 20 नवम्बर 23 को उत्तराखंड में शराब की बोतलों में लगने वाली होलोग्राम का टेंडर निकाला जिसमे उन्होंने पॉलिस्टर युक्त 36 माइक्रोन का होलोग्राम की मुख्य मांग रखी जबकि केंद्र सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय कार्यालय द्वारा 30 जून 2022 को जारी गाइडलाइन के अनुसार सिंगल यूज प्लास्टिक (एसयूपी) 100 माइक्रोन से कम पर संपूर्ण रूप से प्रतिबंधित है और इन बिंदुओं पर कांग्रेस नेता अभिनव थापर ने 13 दिसम्बर 2023 को मुख्यमंत्री, आबकारी विभाग व उत्तराखंड पॉल्यूशन बोर्ड व 23 दिसम्बर 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र दिया और उत्तराखंड में 150 करोड़ प्रतिबंधित से होने वाले नुकसान के बारे मे अवगत कराया और इस टेंडर को निरस्त करने के लिए प्रत्यावेदन दिया। उक्त पत्र द्वारा राज्य सरकार को भारत सरकार के पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की उल्लेखित गाइडलाइंस एसयूपी बैन को आबकारी विभाग द्वारा दरकिनार करते हुए 18 दिसंबर 2023 को 5 वर्षो में 150 करोड़ प्लास्टिक लेबल के हजारों कुंतल प्लास्टिक का टेंडर खोला गया और हैरतअंगेज रूप से कार्य की प्रक्रिया गतिमान है। उन्होंने कहा कि ये वो खतरनाक प्लास्टिक है जिसकों पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एम ओ ई एफ) भारत सरकार, प्रधानमंत्री कार्यालय, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल, नई दिल्ली व स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा भी प्रतिबंधित-बैन किया गया है किन्तु फिर भी राज्य सरकार ने शायद किसी अनैतिक लाभ के लिए इन सब नियम कानून और प्रधान मोदी नरेंद्र मोदी के आदेशों का भी उल्लंघन करते हुए उत्तराखंड के पर्यावरण के लिये यह प्लास्टिक-जहर का कार्य करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि इस टेंडर के जारी होने के बाद उत्तराखंड की गंगा-यमुना जैसी तमाम नदीयों, वन आदि में प्रतिबंधित एसयूपी (सिंगल यूज प्लास्टिक) के 150 करोड़ प्लास्टिक लेबल पर्यावरण में जहर की तरह घुल जाएंगे। इन होलोग्राम से न सिर्फ उत्तराखंड के पर्यावरण को घनघोर अपूर्णीय क्षति होने वाली है बल्कि प्रदेश के वन्य जीव, नदियों, झीलें, ग्लेशियर और अन्य पर्यावरणीय श्रोत्र पर गंभीर तरीके से संकट खड़ा होने वाला है। यह चिंतनीय विषय है की अगले 5 सालो में जब 150 करोड़ प्रतिबंधित प्लास्टिक लेबल जो, हजारों कुंतल प्लास्टिक होगी, जब वो हमारे वातावरण में जहर की तरह घुलेगी तो हिमालय के ग्लेशियर और नदियों पर कितना बुरा असर पड़ेगा और उत्तराखंड के हिमालय और नदियों से भारत के पर्यावरण को इसके नुकसान की चपेट में आयेगा किंतु उनके पत्र लिखने के बाद भी अभी तक सरकार की आंख नहीं खुली है। थापर ने कहा कि आज हम स्वर्गीय पर्यावरणविद पद्म विभूषण सुंदर लाल बहुगुणा के राज्य में इस पर्यावरण पर उत्तराखंड सरकार की गंभीर चोट से इस प्रेसवार्ता के माध्यम से सरकार को यह चेतावनी देते हैं की यदि उत्तराखंड के पर्यावरण के साथ खिलवाड़ किया जाएगा और भारत सरकार की पर्यावरण नीति के खिलाफ भी राज्य सरकार काम करेगी तो हम उत्तराखंड के पर्यावरण को बचाने की लड़ाई लड़ेंगे, पूरे प्रदेश भर में आंदोलन खड़ा करेंगे व न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाएंगे। थापर ने कहा की उनकी प्रदेश के मुख्यमंत्री व सरकार से मांग है कि उत्तराखंड के पर्यावरण को अपूर्णीय क्षति पहुंचाने वाले इन प्रतिबंधित प्लास्टिक (36 माइक्रोन के बैन एसयूपी) के 150 करोड़ प्लाटिक के होलोग्रामों के लिए जारी टेंडर को तत्काल निरस्त कर जांच बिठाई जाय, दोषी अफसरों पर कार्यवाही हो और किन कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए इतना बड़ा खेल हमारे पर्यावरण हिमालय, ग्लेशियर और नदियों को ताक पर रख कर किया जा रहा है, उनका भी नाम जनता के सामने लाया जाए। प्रेस वार्ता में देवेंद्र नौडियाल व डॉ नितेन्द्र डंगवाल भी शामिल थे।

वीआईपी पर कार्यवाही ना होने पर कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। अंकिता भण्डारी की हत्या के मामले में उसके माता पिता द्वारा वीआईपी की पहचान करने के बावजूद कार्यवाही ना होने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां अंकिता भंडारी के माता पिता द्वारा अंकिता की हत्या के मामले में वीआईपी के के नाम की पहचान करने के बावजूद सरकार द्वारा कोई कार्रवाई न करने तथा रिसोर्ट पर तत्काल जेसीबी चलाने वाले लोगों पर भी कोई कार्रवाई न होने से नाराज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय में प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को एक ज्ञापन भी प्रेषित किया। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष जसविन्दर सिंह गोगी ने कहा कि सरकार मामले में दोषियों को बचाने का प्रयास कर रही है। अंकिता के माता पिता के आरोपों के अनुसार न अजय कुमार को जांच की जद में लाया गया न सबूतों को नष्ट करने के लिए तत्काल रिसॉर्ट पर जेसीबी चलाने का आदेश देने वाली विधायक रेणु बिष्ट और एसडीएम प्रमोद कुमार पर ही कोई कार्रवाई हुई। मुख्य आरोपी भाजपा नेता या उसके परिजन हैं, जांच में जिस वीआईपी का नाम आ रहा है वो आरएसएस और भाजपा का वरिष्ठ नेता है, ऐसे में धामी सरकार के पास इस मामले की जांच का नैतिक साहस ही नहीं है। जांच उच्च न्यायालय के सिटिंग जज की देखरेख में करवाई जाए। प्रदेश उपाध्यक्ष पूरण सिंह रावत ने कहा कि भाजपा लोगों की धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल कर चुनाव जीतती हैं और अगले पांच साल निरंकुश राज करती है।

इस अवसर पर प्रदेश महासचिव मनीष नागपाल, महिला कांग्रेस महानगर अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला थापा, मंजू त्रिपाठी, जगदीश धीमान, अनूप कपूर, अभिषेक तिवारी, सलमान, वीरेंद्र पवार, भूपेंद्र नेगी, अनिल शर्मा, वकार अहमद, मोहम्मद दानिश, राहुल तलवार, अमनदीप सिंह, सुनील, राजेश पुंडीर, मरगूब आलम ,मुकीम अहमद, रिपु दमन, आदर्श शुद ,मुकेश रेगमी, शहजाद अंसारी ,हेमंत उप्रेती, अवधेश कथेरिया .परवीन कश्यप, शकील ,रामबाबू ,मनीष गर्ग ,प्रवीण भारद्वाज ,मुस्लिम अंसारी ,मोहम्मद इस्लाम, मोहम्मद वसीम, मोहम्मद फैजल, गोपाल दास, चुन्नीलाल, मुंशी राम,नवीन कुमार आदि उपस्थित थे।

एक नजर

सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी प्रयास किये जाएं: धामी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी प्रयास किये जाएं। राज्य के सभी चिन्हित मार्गों पर क्रैश बैरियर का अवशेष कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ चारधाम यात्रा से पहले पूर्ण किया जाए। ब्लैक स्पॉट पर

नियमित रूप से रोड सेफ्टी ऑडिट किया जाए। राज्य के पर्यटक स्थलों के आस-पास जहां पर वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था की गई है, उन क्षेत्रों में वाहन चालकों के लिए डोरमिट्री की व्यवस्था भी की जाए। सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत बिना लाइसेंस के वाहन चलाने, नशे में वाहन चलाने वालों और यातायात के अन्य नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार सख्त कारवाई की जाए। यह निर्देश मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक के दौरान अधिकारियों को दिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन कारणों से सड़क दुर्घटनाएं अधिक हो रही हैं, इनको रोकने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए। चिन्हित मार्गों पर क्रैश बैरियर के कार्यों की धीमी प्रगति पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित कार्यदाई संस्थाओं के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि जन सुरक्षा से संबधित ऐसे महत्वपूर्ण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि जनपदों में जिन स्थानों पर सड़क दुर्घटनाएं अधिक हो रही हैं, और वे अभी तक चिन्हित नहीं हुए हैं, सभी जिलाधिकारी जल्द ही ऐसे स्थलों को चिन्हित कर लें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए लघु फिल्में बनाकर व्यापक स्तर पर प्रचार और प्रसार किया जाए। स्कूलों में भी सड़क सुरक्षा से संबंधित जागरूकता की जानकारी स्कूलों के पाठ्यक्रम में शामिल की जाए।

मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को सड़कां के किनारे हो रहे अतिक्रमण को रोकने के लिये प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिये। इसके लिए पुलिस, नगर निगम, एमडीडीए और जिला प्रशासन लगतार कार्यवाही करें। जनपदों में भी जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा सड़कों के किनारे लगने वाले अतिक्रमण को रोकने के लिए सघन अभियान चलाया जाए। पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा यातायात प्रबंधन के लिए जो कैमरे लगाये गये हैं, उनका इंटीग्रेशन किया जाए।

बैठक में जानकारी दी गई कि राज्य में 165 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किये गये हैं, जिनमें से 129 का सुधार किया गया है एवं 29 के सुधारीकरण की कार्यवाही गतिमान है। 43 ब्लैक स्पॉट ऐसे हैं जिनमें सुधार किये जाने के बाद कोई दुर्घटना नहीं हुई। सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा पर आधारित 52 हजार पुस्तकें शिक्षा विभाग को उपलब्ध कराई गई हैं। जनपदों में चिल्ड्रन ट्रैफिक पार्कों की स्थापना की जा रही है। पुलिस द्वारा ट्रैफिक आई -ऐप के माध्यम से जागरूकता, ट्रैफिक कार्टून बुक्स एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

बैठक में मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु, अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, आनन्द बर्द्धन, डीजीपी अभिनव कुमार, सचिव अरविन्द सिंह ह्यांकी, रविनाथ रमन, एच.सी. सेमवाल, सचिव एवं गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पाण्डेय एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सनातन धर्म की दिवानी हुई जॉर्जिया की युवती

वाराणसी । वाराणसी की दिव्य नगरी में देव दीपावली के मनमोहक दृश्य ने जॉर्जिया की एक युवती, मिको के जीवन को एक अनोखे मोड़ पर ला खड़ा किया है। काशी के आध्यात्मिक अनुभव ने उसे न केवल सनातन धर्म की ओर आकर्षित किया, बल्कि वाराणसी के प्रति उसके मन में प्रेम जगा दिया है। मिको को ऐसा महसूस होता है कि शायद वह अपने पिछले जन्म में वाराणसी से किसी न किसी रूप में जुड़ी हुई थी। मिको पहली बार पिछले साल देव दीपावली के अवसर पर वाराणसी आई थी। गंगा के घाटों पर हजारों दीपों की जगमगाती लहरों ने उसे मंत्रमुग्ध कर दिया। मंदिरों की घंटियों की आवाज, भजन-कीर्तन का स्वर और त्योहार का हर्षोल्लास उसके मन को छू गया। उसने गंगा आरती में भाग लिया,

पवित्र नदी में स्नान किया और स्थानीय लोगों की परंपराओं को देखा। यह अनुभव उसके लिए किसी जादू से कम नहीं था। मिको कहती हैं, ष्वाराणसी में बिताए हर पल ने मुझे आध्यात्मिक रूप से परिवर्तित किया है। देव दीपावली के प्रकाश ने मेरे भीतर एक ज्योति जगाई है, जो मुझे सनातन धर्म की ओर आकर्षित करती है। मुझे ऐसा लगता है कि शायद मेरी आत्मा किसी न किसी तरह से इस पवित्र भूमि से जुड़ी हुई है। मिको अब जॉर्जिया लौट चुकी है, लेकिन वाराणसी की यादें और अनुभव उसके साथ हमेशा रहेंगे। वह सनातन धर्म का अध्ययन जारी रखने और भविष्य में फिर से वाराणसी आने की उम्मीद रखती है।

समय को काटो नहीं अपितु जियो: आचार्य ममगाई

कार्यालय संवाददाता

रूद्रप्रयाग। जो समय का सदुपयोग करना नहीं जानते, उनका जीवन भी अनुपयोगी बन जाता है। समय को काटो नहीं अपितु जियो। समय काटना अर्थात समय का दुरूपयोग करना और समय को जीना अर्थात समय का सदुपयोग करना। हमारे शास्त्रों में स्पष्ट कहा गया है कि मनुष्य अपनी नासमझी में अपने जीवन को व्यर्थ गंवाता है।

यह बात ज्योतिष्पीठ बद्रिकाश्रम व्यासपीठालंकृत आचार्य शिवप्रसाद ममगांई ने मनियास्यूं के ग्राम पालाकुराली लस्या जखोली रूद्रप्रयाग में किशोर राणा द्वारा आयोजित भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चतुर्थ दिवस पर कहे। उन्होंने कहा, कालो न यातो वयमेव याता: अर्थात- मनुष्य समझता है कि वह समय काट रहा है मगर सच्चाई यह है, कि वह समय को नहीं अपितु समय ही उसे काट रहा है। समय उन लोगों द्वारा ही जिया जाता है जो निरंतर पुरुषार्थ में लगे हुए हैं। जो नये सृजन और सफल होने के लिए निरन्तर कर्म करने में विश्वास रखते हैं। मेहनत को छोड़ केवल किस्मत में विश्वास रखने वाले मनुष्य ही समय को जीने की अपेक्षा काटने में लगे रहते हैं। प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करना सीखो ताकि अपने जीवन को आप उन्नति और उत्थान की ओर अग्रसर कर सकें।

आज विशेस रूप से आयोजकों के द्वारा एक सुन्दर झांकी निकाली गई व माखन मिश्री का प्रसाद बांटा गया।

इस अवसर पर कृपाल सिह, केसर सिंह राणा, शिवसिंह नेगी, विरेन्द्र सिंह नेगी, डॉक्टर गुलाब सिंह राणा, सेमर सिंह, अनुराग, सते सिंह, महावीर, किशन सिंह, इंद्र सिंह, दिगम्बर सिंह, ग्राम प्रधान कमला देवी, सुभाष राणा, वचन सिंह, किशन सिंह, कपूर सिंह, धीरज सिंह, सुभगा देवी, रोशनी राणा, रजनी राणा, सीमा राणा, सावित्री देवी, सुशीला देवी, गंगी देवी, खुशी राणा, निधि राणा, अशोक राणा, अक्षित राणा, आचार्य भानु ममगाई, आचार्य संदीप बहुगुणा, आचार्य विजेंदर, ममगाईं, आचार्य अंकित केमनी आचार्य, जितेंद्र आचार्य, सुनील शुक्ला सहित दूर-दूर आये भक्त गण भारी संख्या में उपस्थित रहे।

12 तोला सोने के जेवरात चुराने वाला शातिर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। बंद घर के ताले चटका कर वहां से 12 तोला सोने के जेवरात चुराने वाले एक शातिर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से चुराये गयी सभी जेवरात भी बरामद किये गये है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज विनीत जोशी पुत्र स्व. हेम चन्द्र जोशी निवासी निकट सरकारी अस्पताल तल्लीताल भीमताल द्वारा थाना भीमताल में तहरीर देकर बताया गया था कि वह 7 जनवरी को सपरिवार हल्द्वानी चले गये थे। इस दौरान अज्ञात चोरों द्वारा उनके घर के ताले चटका कर लगभग 12 तोला सोने के जेवरात चोरी कर लिये गये है। मामले मे पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी गयी। पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत व सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हल्द्वानी जाने वाले रास्ते मे चैकिंग के दौरान एक व्यक्ति आकिल खान पुत्र कामिल खान निवासी भवाली सरस्वती शिशु देवी मन्दिर भवाली जनपद नैनीताल के पास से लगभग 12 तोला सोने के जेवरात बरामद कर उसे गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह चोरी किये गये जेवरात को अपने शौक पूरे करने के लिए बेचने हल्द्वानी जा रहा था, जिसे पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

इस बार सबसे बड़ी जीत दर्ज करेगी भाजपा: भट्ट

विशेष संवाददाता

देहरादून। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का कहना है कि भाजपा इस बार लोकसभा चुनाव में सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाली है उनका कहना है कि यह जीत इतनी बड़ी जीत होगी कि विपक्ष इसे कभी भुला नहीं सकेगा।

लोकसभा चुनाव की तैयारी पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में जब उन्होंने कहा कि यह जीत इतनी बड़ी होगी कि विपक्ष इसे सबसे बड़ी हार के रूप में हमेशा याद रखेगा तो उनसे पूछा गया कि यह जीत किस मायने में सबसे बड़ी जीत होगी तो उन्होंने कहा कि पिछले दो चुनावों में भाजपा ने उत्तराखंड की सभी पांच की पांच सीटों पर जीत दर्ज की है। इस बार वह न सिर्फ जीत की हैट्रिक लगाएगें बल्कि उसका मतदान प्रतिशत भी रिकॉर्ड ऊंचा रहने वाला है। महेंद्र भट्ट का जोश इस कदर हाई था कि वह उत्तराखंड को इस बार देश भर में प्रथम स्थान पर रहने का दावा करते दिखे।

जब उनसे पूछा गया कि वह किस आधार पर इतनी बड़ी जीत का दावा कर रहे हैं तो उन्होंने कहा कि वह सरकार के काम और संगठन की चुनावी तैयारी के आधार पर दावा कर सकते हैं कि इस बार की जीत सबसे बड़ी जीत रहने वाली है। उनका कहना था कि हमने चुनाव से महीनों पहले ही सभी तैयारियां पूरी कर ली है। उनका कहना है कि भाजपा अपने सांसदों से लेकर मंत्रियों और कार्यकर्ताओं तक को उनकी जिम्मेदारी सौंप चुकी है। सभी मोचन को यह बताया जा चुका है कि उन्हें कब क्या करना है।

उन्होंने कहा कि हमारा सबसे अधिक फोकस अपने बूथ और पन्ना प्रमुखों पर है। सभी बूथों के लिए 11-11 यूथ की टीम बना दी गई है इसके साथ ही पन्ना प्रमुखों की नियुक्तियों का काम भी 70 फीसदी से अधिक पूरा कर लिया गया है। इस बार सिर्फ जीत के लिए नहीं बल्कि ऐतिहासिक रिकॉर्ड जीत को ध्यान में रखकर तैयारी की गई है। सांसदों से लेकर राज्य के मंत्री और विधायक सभी को अपनी जिम्मेदारी पता है और सभी एकजुट होकर अपने काम में लगे हुए हैं। हम सभी पांच सीटें सिर्फ जीतेंगे ही नहीं बल्कि रिकार्ड मतदान प्रतिशत के साथ जीतेंगे। उनका कहना है कि हम सभी तैयारी पूरी कर चुके हैं।

महिला कारोबारी ने की...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

और आखिर में उसे ही बच्चे की कस्टडी मिल जाएगी। अपने बच्चों को खोने के डर में वह अपना होशोहवास खो बैठी और अपने ही चहेते बेटे का कत्ल कर दिया।

हादसे से खुली पार्क प्रशासन व..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

करायी जायेगी। बता दें कि चीला रेंज में बहने वाली इस नहर में बीते वर्ष अंकिता भण्डारी का शव भी बरामद किया गया था। जिसके बाद यह बात भी सामने आयी है कि इतनी गहरी नहर होने के बावजूद इसके आस पास सुरक्षा के कोई खास इंतजाम भी नहीं है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।